तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com
कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026
वर्ष 36 अंक 304 | कोरबा, मंगलवार, दिनांक 05 अगस्त 2025 डाक 06 अगस्त 2025 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

सुनालिया ज्वेलर्स
हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता
मो. 94255-32524,94241-43922
पावर हाउस रोड, कोरबा

विविधा
दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं ने नई दिल्ली में भाजपा नीत रा'य सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया

देश-विदेश
पीएम मोदी की सांसदों संग अहम बैठक रणनीति और उपराष्ट्रपति चुनाव पर मंथन!

फीचर पेज
दृश्यम 3 पर आया खास अपडेट, तब्बू और अक्षय खन्ना फिर खाकी वर्दी में दिखाएंगे दम

एनडीए संसदीय दल की बैठक: रक्षा मंत्री ने पीएम मोदी को सम्मानित किया, पहलगाम-ऑपरेशन सिंदूर पर अहम प्रस्ताव पारित

नईदिल्ली, 05 अगस्त [एजेंसी]।

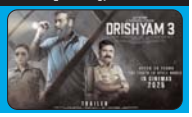

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल दलों के नेताओं ने आज संसदीय दल की बैठक के दौरान पीएम मोदी को सम्मानित किया। आतंकवाद के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर चलाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सभी लोगों की तरफ से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सम्मानित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने एनडीए बैठक में अमित शाह की प्रशंसा करते हुए कहा, वह अब सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले केंद्रीय गृह मंत्री बन चुके हैं। पहलगाम आतंकी हमले और इसके जवाब में भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर को लेकर एनडीए की बैठक में प्रस्ताव भी पारित किया गया। इसमें एनडीए संसदीय दल ने 'ऑपरेशन सिंदूर' और 'ऑपरेशन महादेव' के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों की वीरता और समर्पण को सलाम किया। ऑपरेशन सिंदूर जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान-समर्थित आतंकवादी संगठन द रेसिस्टेंस फ्रंट ने इसी साल 22 अप्रैल को जघन्य और कायराना आतंकी हमला किया था। एनडीए के प्रस्ताव में कहा गया कि पहलगाम आतंकी हमले में 26 निर्दोष पर्यटकों को धर्म के आधार पर निर्ममता से मार डाला गया। प्रस्ताव में

कहा गया, पहलगाम में दहशतगर्दों की कायराना करतूत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 अप्रैल को बिहार की धरती से आतंकवाद के खिलाफ सख्त संदेश दिया। उन्होंने कहा कि भारत आतंकियों और उनके समर्थकों को पहचान कर सज़ा देगा। इसी संकल्प के तहत 6-7 मई की दरम्यानी रात 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया गया। यह एक सटीक और सीमित सैन्य अभियान था, जिसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया। एनडीए में शामिल सांसदों ने इस प्रस्ताव में प्रधानमंत्री मोदी की निर्णायक नेतृत्व शैली, दूरदर्शिता और आतंक के खिलाफ उनके 'नए भारत' के संकल्प की सराहना की। इस प्रस्ताव के मुताबिक सेना के ऑपरेशन सिंदूर को महिलाओं से विशेष समर्थन मिला। इसका नाम भारतीय संस्कृति में सिंदूर के प्रतीकात्मक महत्व को भी दिखाता है। आतंकियों ने महिलाओं से उनका सुहाग और सम्मान छिना, जिसका सेना ने बदला लिया। सत्ताधारी गठबंधन में शामिल सभी दलों और नेताओं ने इस बात को भी रेखांकित किया कि प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में रक्षा सुधार, स्वदेशीकरण और ड्रोन तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देने पर जोर रहा।

इससे ऑपरेशन सिंदूर की सफलता में भी मदद मिली। इसके अलावा, प्रस्ताव में सर्वदलीय शिष्टमंडल के विदेश दौरे का भी जिक्र किया गया। इसमें कहा गया कि पीएम मोदी के नेतृत्व में 59 सांसदों को 32 देशों में भेजकर भारत की आतंकवाद-विरोधी स्थिति को वैश्विक मंचों पर मजबूती से रखा गया। साथ ही दहशतगर्दों के पनाहगाह पाकिस्तान को पूरी दुनिया के सामने बेनकाब भी किया गया। प्रस्ताव के अंत में कहा गया कि अमेरिका ने TRF को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित किया है। BRICS देशों के सम्मेलन में भी आतंकवाद के खिलाफ दोहरे मापदंडों की निंदा की गई।

दोनों सदनों में काम ठप, लोकसभा में हंगामा राज्यसभा में सीआईएसएफ की तैनाती पर जंग

नईदिल्ली, 05 अगस्त [एजेंसी]।

राज्यसभा में सीआईएसएफ की तैनाती के मुद्दे पर पक्ष-विपक्ष और उपसभापति के बीच तीखी बहस के बाद सदन की कार्यवाही को दोपहर दो बजे तक स्थगित कर दिया गया। राज्यसभा में सीआईएसएफ की तैनाती पर विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे और उपसभापति हरिवंश के बीच बहस के बाद पक्ष के नेता जेपी नड्डा ने अपनी बात रखी है। इस दौरान जेपी नड्डा ने कहा- आप (विपक्ष) सदन को चलने नहीं देते हैं, ये तरीका अलोकतांत्रिक है। जेपी नड्डा ने आगे कहा- मुझे 40 वर्षों तक विपक्ष में रहने का अनुभव, इस पर आप (विपक्ष) मुझसे ट्यूशन ले सकते हैं। इसके बाद डीएमके सांसद तिरूचि शिवा ने चर्चा में हिस्सा लिया। जिसके बाद सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की तरफ से रूस से तेल खरीद पर भारत पर टैरिफ में भारी वृद्धि करने की बात पर, कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति की तरफ से आवेग में की गई कोई भी अतिरिक्त टैरिफ की घोषणा भारत के लिए सजा नहीं है, बल्कि अमेरिकी उपभोक्ताओं पर भी बोझ है। इसका उनकी अपनी अर्थव्यवस्था पर असर पड़ेगा। ऐसा नहीं है कि यह टैरिफ सिर्फ भारत के लिए कोई दंड या दंड है। इस टैरिफ का अंतिम बोझ अमेरिकी उपभोक्ताओं पर पड़ेगा और यह एहसास प्रशासन को तब होगा जब उनकी जनता बढ़ती कीमतों के बारे में शिकायत करने लगेगी। अगर उन्हें अपने आयातित उत्पादों पर ज्यादा टैरिफ का सामना करना पड़ा, तो कई छोटे व्यवसाय बंद हो जाएंगे...

अमेरिका भारत जैसे बड़े देश से आपूर्ति श्रृंखला को तुरंत नहीं बदल सकता। इसमें बहुत समय लगता है, और क्षमता निर्माण आसान नहीं है... भारतीय प्रशासन का मानना था कि अतीत में ट्रंप के साथ एक-दो संयुक्त कार्यक्रम आयोजित करके, उन्होंने उनके साथ एक तरह का व्यक्तिगत संबंध बना लिया है। यह सच नहीं है... हमें घबराना नहीं चाहिए, हमें कड़ी बातचीत करनी चाहिए और अपने हितों को ध्यान में रखना चाहिए और हम किसी न किसी निष्कर्ष पर पहुंचेंगे। अमेरिका इसे नजरअंदाज नहीं कर सकता। उनकी कंपनियों को भारतीय बाजार की जरूरत है और उनके उपभोक्ताओं को भारतीय आपूर्ति श्रृंखलाओं की। यह दोतरफा रास्ता है।

लाल किले में बिना अनुमति प्रवेश की कोशिश, पांच बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

नईदिल्ली। अधिकारियों के अनुसार बिना वैध अनुमति के लाल किला परिसर में प्रवेश करने का प्रयास करने पर पाँच बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया। यह घटना स्वतंत्रता दिवस से पहले कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हुई। एक वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की कि लाल किले के प्रवेश नियंत्रण बिंदुओं पर तैनात सुरक्षाकर्मियों ने 20 से 25 वर्ष की आयु के पाँच व्यक्तियों के एक समूह को बिना वैध पास के प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश करने का प्रयास करते हुए रोका। अधिकारी ने कहा, पूछताछ करने पर, उनकी पहचान बांग्लादेशी नागरिकों के रूप में हुई, जो लगभग 3-4 महीने पहले अवैध रूप से भारत में घुसे थे। वे दिल्ली में रह रहे थे और मज़दूरी कर रहे थे। प्रारंभिक जाँच से पता चला है कि समूह इस बात से अनजान था कि स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों के कारण 15 जुलाई से लाल किले में सार्वजनिक प्रवेश निलंबित है। पूछताछ के दौरान उनके पास से बांग्लादेशी दस्तावेज़ बरामद किए गए। खुफिया ब्यूरो और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने इन व्यक्तियों से पूछताछ की है। हालाँकि, पूछताछ के दौरान कोई संदिग्ध गतिविधि या मकसद सामने नहीं आया है। विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) को सूचित कर दिया गया है, और उम्मीद है कि व्यक्तियों को मौजूदा कानूनी प्रक्रियाओं के अनुसार निर्वासित किया जाएगा।

पंजाब के इन गांवों में लव मैरिज पर लगा बैन, नियम तोड़ने पर होगा एक्शन

बठिंडा 5 अगस्त एजेंसी। पंजाब के कई गांवों में अपने ही गांवों में शादी कराने के बढ़ते प्रचलन के कारण पंचायतों ने सामूहिक बहिष्कार के प्रस्ताव पारित किए हैं। यह संवैधानिक रूप से वैध नहीं है क्योंकि पंचायतों के पास ऐसा कोई अधिकार नहीं है परंतु पंचायतें सामाजिक दृष्टि से ऐसे निर्णय को उचित मान रही हैं।पहले गांवों की बेटियों को सभी अपनी बेटियों की तरह मानते थे और गांव में शादी करने वाले लड़के को पूरा गांव अपना दामाद मानता था लेकिन हाल के समय में युवा अपने ही गांवों में शादियां करने लगे हैं। सामाजिक दृष्टि से पंचायतों द्वारा पारित किए गए प्रस्ताव सही हैं, लेकिन कानूनी दृष्टिकोण से पंचायत किसी भी युवा को अपने ही गांव में शादी करने से रोक नहीं सकती। बठिंडा जिले के गांव कोटशमीर, फरीदकोट के गांव सिरसड़ी व अनोखपुरा तथा मानसा जिले के गांव सैदेवाला की पंचायतों ने बैठक कर यह प्रस्ताव पारित किया है कि कोई भी युवक अपने ही गांव में शादी नहीं कराएगा। जो ऐसा करेगा, उसका सामूहिक बहिष्कार किया जाएगा।

धीरेंद्र शास्त्री को महिला तस्कर कहने वाले प्रोफेसर की बढ़ी मुश्किलें, केस दर्ज

छतरपुर। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री को महिला तस्कर करने वाले प्रोफेसर रविकांत की मुश्किलें बढ़ने लगी हैं। उनके खिलाफ पुलिस में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 353(2) के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। लखनऊ विश्वविद्यालय में हिंदी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर रविकांत ने पंडित धीरेंद्र शास्त्री पर धर्म की आड़ में महिला तस्करी करने का आरोप लगाया था। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी तंज कसते हुए उन्हें नॉन बायोलॉजिकल करार दिया था।

टीएमसी में बदलाव के लिए भतीजे संग रणनीति बना रही थीं ममता बनर्जी

12 मिनट की ऑनलाइन मीटिंग में फेल हो गई स्क्रिप्ट

नईदिल्ली, 05 अगस्त [एजेंसी]।

पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। दिल्ली में पार्टी की छवि को निखारने और इंडिया गठबंधन में मजबूत पैठ बनाने के लिए ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी ने नई रणनीति बनाई। इस स्ट्रेटेजी के तहत दिल्ली में एक नई और मजबूत टीम तैयार करना है, जो अभिषेक बनर्जी के साथ मिलकर काम करे। लेकिन ममता बनर्जी की अपने सांसदों के साथ 12 मिनट की ऑनलाइन बैठक के बाद इस रणनीति ने दम तोड़ दिया।

दरअसल ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी ने पार्टी के मुख्य सचेतक कल्याण बनर्जी और संसदीय दल के नेता सुदीप बनर्जी को उनके पदों से हटाने की योजना बनाई थी। मगर बैठक में सिर्फ कल्याण बनर्जी का मामला उठाने का इरादा था। लेकिन जैसे ही ममता बनर्जी ने कल्याण बनर्जी की भूमिका पर सवाल उठाए और काकोली दस्तीदार को नई जिम्मेदारी देने की बात कही, कल्याण बनर्जी भड़क गए। उन्होंने तुरंत इस्तीफा दे दिया और सार्वजनिक रूप से तीखी टिप्पणियां कीं। कल्याण बनर्जी के इस कदम ने टीएमसी की सारी योजनाओं पर पानी फेर दिया। उनके इस्तीफे के बाद पार्टी ने सुदीप बनर्जी को भी लोकसभा में संसदीय दल के नेता के पद से हटा दिया।

इसके बाद अभिषेक बनर्जी को संसदीय दल का नेता घोषित किया गया। सूत्रों का कहना है कि ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी इस पूरे घटनाक्रम से नाखुश हैं। फिर भी, अभिषेक बनर्जी ने कल्याण बनर्जी को मनाने की कोशिश की और कहा कि वह जल्द ही दिल्ली में उनसे मुलाकात करेंगे।

तहसीलों और राजस्व दफ्तरों में काम पेंडिंग, तहसीलदारों का हड़ताल जारी

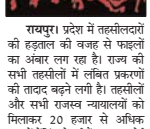

रायपुर। प्रदेश में तहसीलदारों की हड़ताल की वजह से फाइलों का अंबार लग रहा है। राज्य की सभी तहसीलों में लंबित प्रकरणों की तादाद बढ़ने लगी है। तहसीलों और सभी राजस्व न्यायालयों को मिलाकर 20 हजार से अधिक फाइलें पेंडिंग हो गई हैं। इन पर कोई फैसला नहीं हो पा रहा है।

इधर सभी जिलों में चालू शैक्षणिक सत्र के चलते छात्रों को सबसे ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। छात्रों को आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र बनवाने तहसीलों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं लेकिन उन्हें निराशा हाथ लग रही है। राजस्व कोर्ट में फैसले भी अटके पड़े हैं। इसके बावजूद रजिस्ट्री पर बहुत ज्यादा असर नहीं पड़ रहा है लेकिन जमीन से जुड़े अन्य मामले ठंडे बस्ते में चले गए हैं।

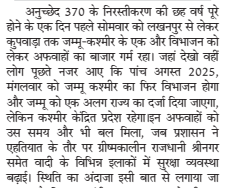

दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर भीषण हादसा, कंटेनरों की टक्कर में चालक की मौत, केबिन काटकर निकाला शव

गजरौला/अमरोहा। दिल्ली-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर दिन निकलते ही बड़ा हादसा हो गया। आगे-पीछे चल रहे बजटफुट लदे दो कंटेनरों में भिड़ंत हो गई। इस हादसे में एक कंटेनर का चालक क्षतिग्रस्त हिस्से में फंस गया।करीब दो घंटे तक फंसे रहने की वजह से उसकी तड़प-तड़पकर मौत हो गई। काफी मशक्कत से क्षतिग्रस्त हिस्सों को काटकर शव को निकाला गया। उधर, हादसे के बाद क्षतिग्रस्त वाहन हाईवे पर खड़ा होने की वजह से जाम लग गया। जिला मेरठ के थाना किठौर क्षेत्र के गांव कायस्थ बड्डा निवासी 35 वर्षीय साजिद कंटेनर चलाता था।

उसके साथ इसी गांव का रहने वाला वसीम हेल्पर है। दोनों व्यक्ति मंगलवार की सुबह करीब छह बजे बाजपुर से कंटेनर में बजरफुट लादकर मेरठ जा रहे थे कि गजरौला में हाईवे पर ब्रजघाट पुलिस चौकी क्षेत्र में गांव मोहम्मदाबाद के सामने पुल पर आगे चल रहे दूसरे बजरफुट लदे कंटेनर चालक ने ब्रेक लगा दिया।

जम्मू-कश्मीर में कुछ बड़ा होने वाला है ?

सियासी हलचल तेज होने के बीच क्या बोले सीएम उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर, 05 अगस्त [एजेंसी]।

अनुच्छेद 370 के निरस्तीकरण की छह वर्ष पूरे होने के एक दिन पहले सोमवार को लखनपुर से लेकर कुपवाड़ा तक जम्मू-कश्मीर के एक और विभाजन को लेकर अफवाहों का बाजार गर्म रहा। जहां देखो वहीं लोग पूछते नजर आए कि पांच अगस्त 2025, मंगलवार को जम्मू कश्मीर का फिर विभाजन होगा और जम्मू को एक अलग राज्य का दर्जा दिया जाएगा, लेकिन कश्मीर केंद्रित प्रदेश रहेगा।इन अफवाहों को उस समय और भी बल मिला, जब प्रशासन ने एहतियात के तौर पर ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर समेत वादी के विभिन्न इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई। स्थिति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को भी इस स्थिति पर लोगों को शांत रहने की अपील करते हुए अपने एक्स हैंडल पर बताना पड़ा कि ऐसा कुछ नहीं होने जा रहाहै। मैं पूरी ईमानदारी से कहूंगा कि कल कुछ नहीं होगा - सौभाग्य से कुछ बुरा नहीं होगा, लेकिन दुर्भाग्य से कुछ सकारात्मक भी नहीं होगा।

सीएम साय को प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ने लिखा पत्र

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रायवेट स्कूल एसोसिएशन ने सीएम विष्णु देव साय को पत्र लिखकर पूर्व प्राथमिक शाला (नर्सरी शाला /प्री प्राइमरी, प्ले स् प्रदेश में पूर्व प्राथमिक शाला (नर्सरी शाला /प्री प्राइमरी, प्ले स्कूल) के लिए नियम बनाने का आग्रह किया है। विनियमन का कोई नियम अब तक नहीं बना है। ऐसे में प्रदेश में संचालित लगभग 3000 से ऊपर पूर्व प्राथमिक शालाओं (नर्सरी शाला /प्री प्राइमरी, प्ले स्कूल)के पास कोई विधिसम्मत कागजात नहीं है। एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव गुप्ता ने एक पत्र कहा कि मानव संसाधन मंत्रालय , केंद्र सरकार आज तारीख तक ऐसी नर्सरी शालाओं के विनिमयन सबंधी कोई भी नियम एवं मानक निर्धारित नहीं कर पाया है। शिक्षा का अधिकार कानून 2009 में भी फिलहाल 6 वर्ष की उम्र से ऊपर की कक्षाओं के विनियमन के नियम है। शिक्षा संहिता में भी नर्सरी शालाओं की मान्यता के संबंध में कोई भी दिशा निर्देश नहीं है। राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग द्वारा 3 से 6 वर्ष के विद्यार्थियों के लिए संचालित प्ले स्कूल के दिशा निर्देश जारी किये गए हैं। इन दिशानिर्देशों में नर्सरी शालाओं के विनिमयन सबंधी नियम तय किये गए हैं। इसी तरह मध्य प्रदेश में भी पूर्व प्राथमिक शाला के विनियमन के नियम एवं मानक तय कर दिए गए हैं। मध्य प्रदेश में प्ले स्कूल के विनियमन की जिम्मेदारी महिला एवं बाल विकास विभाग को दी गई है।

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक
चर्म , गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार
डॉ.आर.के.अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.FDS (Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.)
Mob.9424170010
-: परामर्श का समय :-
सुबह 10.30 से 1.30
(शाम को बंद)
डॉ.शशि अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.(U.K)
Mob.9826389894
सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।
मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)
विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...
पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर , रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक , बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

मराठा साम्राज्य का हिस्सा जैसलमेर... NCERT की किताब पर विवाद, नक्शा देख भड़के चैतन्यराज सिंह

जैसलमेर। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद की नई किताबें सियासी गलियारों का भी हॉट टॉपिक बनी हुई हैं। NCERT के नए संस्करण में कई बड़े बदलाव किए गए हैं। वही, चैतन्य राज सिंह ने कक्षा 8 की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक में बने एक नक्शे पर आपत्ति दर्ज की है। चैतन्य राज सिंह का कहना है कि इस पुस्तक में मौजूद मानचित्र में जैसलमेर को मराठा साम्राज्य का अंश बताया गया है, जो गलत है। चैतन्य राज सिंह ने एक्स प्लेटफॉर्म पर नक्शे की तस्वीर भी साझा की है। उनके अनुसार, कक्षा 8 की NCERT की सामाजिक विज्ञान विषय पाठ्यपुस्तक में दर्शाए गए मानचित्र में जैसलमेर को तत्कालीन मराठा साम्राज्य का भाग दर्शाया गया है, जो कि ऐतिहासिक रूप से भ्रामक, तथ्यहीन और गम्भीर रूप से आपत्तिजनक है। NCERT जैसी किताबों में इस तरह की साक्ष्यविहीन जानकारी सवाल खड़े करती है। इससे हमारे गौरवशाली इतिहास और जनभावनाओं को भी आघात पहुंचा है। यह महज एक गलती नहीं बल्कि हमारे पूर्वजों के बलिदान, संप्रभुता और शौर्य गाथा को धूमिल करने का प्रयास है। जैसलमेर का जिक्र करते हुए चैतन्य कहते हैं कि यह रियासत कभी मराठा साम्राज्य का हिस्सा नहीं थी। यहां के ऐतिहासिक स्त्रोतों में भी मराठा आधिपत्य और आक्रमण के साक्ष्य नहीं मिलते हैं। हमारी रियासत में मराठाओं ने कभी कोई दखल नहीं दिया।

कक्षा 8 की NCERT की सामाजिक विज्ञान विषय पाठ्यपुस्तक में दर्शाए गए मानचित्र में जैसलमेर को तत्कालीन मराठा साम्राज्य का भाग दर्शाया गया है, जो कि ऐतिहासिक रूप से भ्रामक, तथ्यहीन और गम्भीर रूप से आपत्तिजनक है। चैतन्य राज सिंह ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से NCERT किताब में मौजूद इस गलती को गंभीरता से लेते हुए तुरंत संशोधन की मांग की है। उनका कहना है कि यह ऐतिहासिक गरिमा, आत्मसम्मान और राष्ट्रीय पाठ्यक्रम में सत्यनिष्ठा लाने का विषय है। इसपर तुरंत और ठोस कार्रवाई होनी चाहिए। चैतन्य राज सिंह राजस्थान की जैसलमेर रियासत के राजा हैं। वो जैसलमेर के 44वें महारावल हैं। उन्होंने नई दिल्ली के संस्कृत स्कूल से शिक्षा प्राप्त की है। इसके बाद उन्होंने लंदन विश्वविद्यालय के ओरिएंटल एंड अफ्रीकन स्टडीज राजनीति में डिग्री हासिल की है।

बूँदकुंवर को लगता था बारिश की बूंदों से डर...पक्के घर से दूर हुई सारी फ़िकर

'पीएम आवास से मिली खुशियों की नई मंजिल

कोरबा । उम्र के साथ ही बूँदकुंवर की चिंता बढ़ती ही जा रही थी। एक तरफ उम्र के साथ शरीर में आ रही थकावट का टेंशन था तो दूसरी तरफ झोपड़ी में रहते हुए बारिश के दिनों में होने वाली मुसीबतों को लेकर भी तनाव रहता था। बारिश के साथ ही खपरैल वाले घर में गिरने वाली बड़ी-बड़ी पानी की बूंदें और कुछ देर में छत से जगह-जगह से बहने वाली पानी की धार उसके लिए अक्सर परेशानी का सबब बन जाती थी और वह तेज बारिश में डरी सहमी हुई सी हो जाती थी। वह पक्का मकान बनाना तो चाहती थी..लेकिन हिम्मत ही नहीं होती थी। पक्के मकान में आने वाले खर्च के विषय में सोचकर ही उन्हें लगता था कि कही वह कर्ज में न डूब जाए और पक्का मकान भी न बन पाए। इस बीच प्रधानमंत्री आवास योजना में जब बूँदकुंवर का नाम आया तो उन्हें पहले तो भरोसा नहीं हो रहा था। बाद में जब अधिकारियों द्वारा बताया गया कि आवास निर्माण के लिए राशि मिलेगी और आप चाहे तो पैसा मिलाकर अपने घर को और भी बढ़िया बनवा सकते हो। बारिश के दिनों में झोपड़ी में होने वाली परेशानियों से भलीभांति वाकिफ़ बूँदकुंवर ने देरी नहीं की। उन्होंने कुछ पैसे मिलाए और पीएम आवास योजना से मिली हिम्मत के बलबूते अपना पक्का मकान बनवा लिया। अब जबकि बरसात का मौसम है, तेज बारिश भी हो रही है..तो भी बूँदकुंवर को कोई डर और फ़िकर नहीं है..वह पक्के घर में बहुत ही चैन से रह पा रही है। पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉक के अंतर्गत जटगा के खालपारा में रहने वाली बूँदकुंवर ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना से उनका घर पक्का हो गया है। पति के नहीं रहने के बाद उनके

लिए पक्का मकान बनवा पाना बहुत चुनौती भरी थी। बूँदकुंवर ने बताया कि बच्चों के साथ बारिश के दिनों में होने वाली परेशानियों को देख उनकी इच्छा तो थी कि वह भी पक्का मकान बनवा लें, लेकिन पर्याप्त राशि नहीं होने, कर्ज में डूब जाने का डर उन्हें रोक देर था। पीएम आवास योजना में नाम आने और राशि मिलने की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने मकान बनवाया। इस दौरान मकान की सभी किश्त समय पर मिलती गई। घर पूरा हुआ। कुछ अपने भी पैसे लगाए और अब सुकून से रह रही है। बूँदकुंवर ने बताया कि पक्का मकान बन जाने से बहुत खुशी होती है। बारिश का डर भी नहीं रहता। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री ने गरीबों का पक्का बनाने के लिए जो सहायता दी है वह हमारा ही नहीं आने वाली पीढ़ियों के लिए भी यादगार और सुकून भरा रहेगा।

बाल संप्रेक्षण गृह के सोशल मीडिया में वायरल वीडियो की हुई जांच

बाल संरक्षण गृह में कार्यरत हाउस फादर को हटाया गया

कोरबा । एकीकृत बाल संरक्षण योजना (मिशन वात्सल्य) अंतर्गत जिले में संचालित शासकीय बाल संप्रेक्षण गृह (बालक) नवीन थाना भवन बालको के संबंध में प्रकाशित व प्रसारित समाचार जिसमें की सोशल मीडिया में वायरल विडियो का उल्लेख है। वीडियो में संस्थागत अपचारी किशोर टीवी में गाने देखते हुए दिख रहे हैं जिससे एक किशोर द्वारा अपने इंस्टाग्राम आईडी से कोरबा जेल टेग लाईन के सहित पोस्ट किया गया है।जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास ने बताया कि उक्त घटना में किसी भी प्रकार का कदाचरण परिलक्षित नहीं हो रहा है, केवल किशोरों द्वारा टीवी में मनोरंजन की दृष्टिकोण से गाना देखते हुए उक्त स्थान में किशोर बैठे है किन्तु उक्त समाचार में कोरबा जेल में ''एश'' शीर्षक के साथ दुष्प्रचार किया जा रहा है। कथित घटना में आपत्ति जनक बात यह है कि शासकीय बाल संप्रेक्षण गृह (बालक) में किशोरों को मोबाईल फोन प्राप्त होने के आधार पर विडियो बनाया गया। उक्त विडियो को जिला जेल से फरार विचाराधीन कैदियों के संबंध में जोड़कर समाचार प्रसारित किया जा रहा है जो कि गलत है। किशोर न्याय अधिनियम अंतर्गत विधि से संघर्षरत बच्चों को ही केवल बाल सुधार गृह में रखा जाता है। उक्त संबंध में प्रारंभिक जांच एवं निवासरत किशोरों व संस्थागत कर्मचारियों के द्वारा दिये गये बयान में यह पाया गया कि शासकीय बाल संप्रेक्षण गृह (बालक) में कार्यरत हाऊस फादर श्रीमती सरिता बैरागी के फोन से विडियो रिकॉर्ड किया गया है। उक्त घटना में किशोर न्याय अधिनियम 2015 की धारा 74 का उल्लंघन दर्शित है। कलेक्टर के निर्देशानुसार श्रीमती सरिता बैरागी, हाऊस फादर को तत्काल प्रभाव से शासकीय बाल संप्रेक्षण गृह (बालक) कोरबा से हटा दिया गया है। उक्त घटना से जिम्मेदार पाये जाने पर संलिप्त कर्मचारी के विरूद्ध किशोर न्याय अधिनियम के तहत दोष सिद्ध होने पर नियमानुसार कार्यवाही प्रस्तावित की जायेगी।

कलेक्टर ने किया आर. आई. को निलंबित

कोरबा । कलेक्टर कोरबा श्री अजीत वसंत द्वारा श्री विमल कुमार भगत राजस्व निरीक्षक रा.नि.मं. चैतमा को अपने पदीय क्षेत्र के शासकीय कार्यों के दायित्वों का निर्वहन करने के प्रति उदासीनता एवं घोर लापरवाही बरतने के कारण सेवाओं से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन काल में उनका मुख्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल जटगा, तहसील पसान नियत किया गया है। निलंबन अवधी में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।कलेक्टर कार्यालय कोरबा से जारी आदेश क्रमांक 2008/भू0 अभि0/स्थापना/2025 कोरबा दिनांक 04.08.2025 के अनुसार कार्यालय कलेक्टर जिला धमतरी (छ0ग0) के पत्र क्रमांक / 5618 / वित्त - 1 / 2025 धमतरी दिनांक 18.06.2025 द्वारा श्री विमल कुमार भगत, राजस्व निरीक्षक मगरलोड सह पटवारी ह. नं. 13 राजाडेरा, तहसील मगरलोड, जिला-धमतरी के विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही किये जाने/ प्राथमिक सूचना रिपोर्ट दर्ज किये जाने के संबंध में प्रेषित प्रतिवेदन / उल्लेखित तथ्यों के आधार पर एवं तहसीलदार पाली के पत्र क्रमांक / 459 / तह0 / कानूनगो / 2025 पाली दिनांक 16.04.2025 के प्रस्ताव पत्र अनुसार श्री विमल कुमार भगत, राजस्व निरीक्षक, रा.नि.मं.- चैतमा, तहसील-पाली दिनांक 24.03.2025 से बिना किसी सूचना के अनाधिकृत रुप से अपने शासकीय कार्य में लगातार अनुपस्थित रहने के कारण उन्हें तहसीलदार पाली के पत्र क्रमांक / 406/ तह0 / कानूनगो / 2025 पाली दिनांक 03.04.2025 द्वारा जारी कारण बताओं सूचना पत्र का जवाब निर्धारित समयावधि में प्रस्तुत नहीं किया गया है। श्री विमल कुमार भगत, राजस्व निरीक्षक, रा.नि. मं. - चैतमा, तहसील - पाली द्वारा अपने पदीय दायित्वों के निर्वहन के प्रति उदासीनता एवं घोर लापरवाही बरती गई है। उक्त कृत्य सिविल सेवा आचरण नियम 1965 का उल्लंघन किये जाने का लेख कर उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही किये जाने का प्रस्ताव प्रेषित किया गया है। प्राप्त प्रस्ताव पत्र के परिपालन में कार्यालयीन पत्र क्रमांक / 553 / भू-अभि0 / स्था0 / 2025 कोरबा दिनांक 25/04/2025 द्वारा श्री विमल कुमार भगत, राजस्व निरीक्षक, रा.नि.मं. - चैतमा, तहसील - पाली, जिला- कोरबा (छ.ग.) कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर निर्धारित समय सीमा में जवाब प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया था। जारी कारण बताओ सूचना पत्र के परिपालन में दिनांक 26/06/2025 को श्री विमल कुमार भगत, रा0 नि0 द्वारा जवाब प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत जवाब प्रतिवेदन संतोषप्रद प्राप्त नहीं हुआ है एवं जिला धमतरी में तत्कालीन राजस्व निरीक्षक मगरलोड जो कि एक शासकीय सेवक है उनके द्वारा कुटरचना करते हुए कदाचार किया गया एवं गैर कानूनी तरीके से आर्थिक लाभ करने के उद्धेश्य से उक्त कृत्य किया गया है, जो अपराध की श्रेणी में आता है।कार्यालय कलेक्टर जिला धमतरी (छ0ग0) के पत्र क्रमांक / 5618 / वित्त - 1 / 2025 धमतरी दिनांक 18.06.2025 के प्राप्त प्रतिवेदन / तहसीलदार पाली के प्रेषित प्रस्ताव एवं कार्यालयीन पत्र के अनुसार श्री विमल कुमार भगत, राजस्व निरीक्षक, रा.नि.मं. - चैतमा, तहसील - पाली, जिला - कोरबा (छ.ग.) का उक्त कृत्य अपने पदीय क्षेत्र के शासकीय कार्यों के दायित्वों का निर्वहन करने के प्रति उदासीनता एवं घोर लापरवाही बरती गई है। उनका उक्त कृत्य छ0ग0 सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम 3 (1) नियम 3 (क) (ख) (ग) के तहत् उल्लंघन होना पाया गया है।श्री विमल कुमार भगत, राजस्व निरीक्षक, रा.नि.मं. - चैतमा, तहसील - पाली द्वारा निर्धारित समयावधि में संतोषप्रद जवाब प्रस्तुत नहीं करने तथा समक्ष में उपस्थित नहीं होने के कारण उनका उक्त कृत्य सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम - 3 (1) नियम-3(क) (ख) (ग) का उल्लघन होने के फलस्वरुप छ0ग0 सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम-9 के तहत् श्री विमल कुमार भगत, राजस्व

मछली पालन विभाग द्वारा प्रतिबंधित अवधि में अवैध रूप से परिवहन की जा रही मछली की गई जब्त

कोरबा । प्रतिबंधित अवधि में अवैधानिक रूप से मत्स्य परिवहन की सूचना मिलने पर मछली पालन विभाग द्वारा आज अम्बिकापुर से कोरबा आ रही जय बजरंग बस सर्विस बस क्रमांक सीजी 15-एबी 0731 को गोपालपुर के पास रोककर तलाशी ली गई जिसमें 01 थर्माकोल बॉक्स में मछली पाई गई। पूछताछ करने पर मछली लावारिस होना पाया गया। मछली को जब्त करने की कार्यवाही की गई। विभाग के इस कार्यवाही से अवैध रूप से मछली परिवहन करने वालो में हड़कम मचा हुआ है।

बिजली विभाग में करोड़ों के घोटाले का आरोप लगा मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

कोरबा । नगर पालिक निगम कोरबा के सभापति नूतन सिंह ठाकुर ने बिजली विभाग में करोड़ों के घोटाले का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखा है, जिसमें इस घोटाले की उच्च स्तरीय जाँच करने तथा एफआईआर दर्ज कर दोषियों से वसूली की कार्यवाही की मांग करी हैं। छत्तीसगढ राज्य विद्युत वितरण विभाग में आरडीएसएस योजना के अंतर्गत लगभग 77 करोड़ रुपये की लागत से कोरबा क्षेत्र में बिजली आपूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए केबल लगाने का ठेका दिया गया था। ठेका कंपनी द्वारा घटिया क्वालिटी का केबल लगाया गया जिससे अब तक कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति सुचारू रूप से नहीं हो पाई है।नूतन सिंह ठाकुर ने आरोप लगाते हुए बताया कि पुरानी बस्ती कोरबा के विभिन्न वार्डों में केबलिंग कार्य केवल कागजों में हुआ है और जमीनी स्तर पर कोई कार्य नहीं हुआ। घटिया क्वालिटी के केबल लगाने के कारण इन इलाकों में केबल से बिजली सप्लाई आज तक नहीं हो सका। भौतिक सत्यापन के बिना विभाग ने करोड़ों रुपए भुगतान कर दिया। बिजली विभाग में यह भ्रष्टाचार अधिकारियों की मिली-भगत का परिणाम है। इस घोटाले को गंभीर बताते हुए उन्होंने मांग करी है कि जिन अधिकारियों और कर्मचारियों ने शासन की राशि का दुरुपयोग किया है, उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कर सख्त कार्यवाही की जाए तथा पूरी राशि की वसूली सुनिश्चित की जाए। नूतन सिंह ठाकुर ने कहा कि केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार भ्रष्टाचार मुक्त शासन की बात कर रही है, ऐसे में जनता को बताना जरूरी है

अंचल में गंदगी फैलाने, सड़क, नाली, फुटपाथ पर विक्रय सामग्री रखकर अतिक्रमण करने वालों पर निगम लगातार कर रहा कार्यवाही

टी.पी. नगर जोन में 06 लोगों पर लगा 20 हजार रू. अर्थदण्ड

बुधवारी बाजार में भी हुई कार्यवाही

कोरबा । कोरबा अंचल में सड़क, नाली व सार्वजनिक स्थल पर कचरा डालने, गंदगी करने एवं नाली, फुटपाथ व सड़क पर प्रदर्शन व विक्रय सामग्री रखकर अवैध कब्जा करने, यातायात व्यवस्था बिगाड़ने वालों पर नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में यातायात विभाग के साथ मिलकर निगम की एक्शन टीम ने टी.पी. नगर क्षेत्र में कार्यवाही करते हुए 06 प्रतिष्ठानों व व्यक्तियों पर 20 हजार रूपये की अर्थदण्ड लगाया।

उल्लेखनीय है कि नगर निगम आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के सतत मार्गदर्शन में शहर की व्यवस्थाओं की दुरूस्तगी, अतिक्रमण व अवैध कब्जे से मुक्ति एवं साफ-सफाई हेतु निगम की एक्शन टीम लगातार कार्यवाही कर रही है। निगम आयुक्त श्री पाण्डेय स्वयं सुबह-सुबह शहर का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए समस्याओं के निराकरण एवं शहर की व्यवस्था को पटरी पर लाने का भगीरथ प्रयास कर रहे हैं। वहीं उनके कुशल मार्गदर्शन में एक ओर जहां निगम के सभी 07 जोन के जोन कमिश्नर सुबह 07 बजे से अपने-अपने जोन की टीम को लेकर वार्ड व बस्तियों में दस्तक देते हुए समस्याओं व व्यवस्थाओं का जायजा लेकर इन्हें सुधारने का कार्य कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर निगम की एक्शन टीम अतिक्रमण अवैध कब्जे व गंदगी करने वालों के विरूद्ध लगातार कार्यवाही कर रही है, जिसके सकारात्मक परिणाम भी शहर में दिखाई पड़ने लगे हैं, व्यवस्थाएं क्रमशः सुधर रही हैं। इसी कड़ी में निगम के टी.पी. नगर जोनांतर्गत एक्शन टीम ने कार्यवाही की तथा 06 प्रतिष्ठानो पर 20 हजार रूपये का अर्थदण्ड लगाया।

वार्ड क्र. 15 टी.पी. नगर कोरबा में शंकर टायर्स के द्वारा नाली के ऊपर टायर डम्प किए गए थे, जिन पर निगम की एक्शन टीम ने 05 हजार रूपये का अर्थदण्ड आरोपित किया। इसी प्रकार उसी क्षेत्र में दादूराम सेनेटरी प्रतिष्ठान के द्वारा नाली के ऊपर पानी टंकी व पाईप आदि रखकर अतिक्रमण किया गया था, उक्त प्रतिष्ठान पर भी 05 हजार रूपये का अर्थदण्ड लगाया गया, वहीं मोहम्मद नूर आलम के द्वारा रोड में मोटर पार्ट्स रखकर अतिक्रमण किया गया था, उन पर भी 05 हजार रूपये का अर्थदण्ड आरोपित किया गया। इसी प्रकार टी.पी. नगर क्षेत्र में ही रितु आटो पार्ट्स के द्वारा रोड में पेवर ब्लाक लगाकर अतिक्रमण किया गया था, उन पर भी 01 हजार रूपये अर्थदण्ड लगाया गया, वहीं क्लासिक सीट मेकर्स के द्वारा सड़क में टाईल्स व पोल लगाकर अवैध कब्जा किया गया था, जिस पर 02 हजार रूपये का अर्थदण्ड आरोपित हुआ, वहीं मारवाड़ी थाली राजस्थानी प्रकाश भोजनालय द्वारा रोड में बैनर लगाए गए थे, उक्त प्रतिष्ठान पर भी 02 हजार रूपये का अर्थदण्ड लगाया गया तथा किए गए अतिक्रमण व अवैध कब्जों को हटवाया गया।

बुधवारी सब्जी बाजार में सब्जी व फल विक्रेताओं द्वारा उत्सर्जित कचरे को खुले में फेंक दिया जाता है, जिसके कारण बाजार में गंदगी व्याप्त होती है, वहॉ पर भी निगम लगातार कार्यवाही कर रहा है, सब्जी विक्रेताओं को लगातार समझाईश भी दी जा रही है कि वे अपने दुकानों में बड़े साईज के डस्टबिन अनिवार्य रूप से रखें, दुकानों से उत्सर्जित कचरे को डस्टबिन में ही डालें, इसके बावजूद कतिपय सब्जी विक्रेताओां द्वारा कचरे को खुले में फेंक दिया जा रहा है, आज बाजार के सब्जी विक्रेता राजेश कुमार साहू द्वारा खुले में कचरा फेंकने के कारण उन पर 01 हजार रूपये का अर्थदण्ड लगाया गया। इसके साथ ही शहर के विभिन्न स्थानों में सड़क पर रेत, गिट्टी रखने, सी.एण्ड डी. वेस्ट की डम्पिंग करने पर भी निगम ने कार्यवाही की तथा संबंधितों पर अर्थदण्ड लगाया व कड़ी हिदायत दी।

नेत्रहीनता के शिकार अवल बंजारे को न्याय दिलाने कोरबा जिला कलेक्टर से मिले परिजन

कोरबा । कोरबा जिला कलेक्ट्रेट परिसर में उस मासूम छात्र अवल बंजारे के परिजन और समाज के जागरूक लोग प्रशासन से न्याय की गुहार लगाने पहुँचे, जिसकी आँखों की रोशनी विद्यालय में हुई एक लापरवाही के चलते चली गई। अवल के पिता सहित सहयोगियों ने कलेक्टर से मुलाकात कर मेडिकल सहायता और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की मांग करी।

जानकारी के अनुसार शिक्षा विभाग की ओर से ब्लॉक स्तरीय जांच अधिकारी घटना स्थल पर पहुँचे, जहाँ कथित आरोपी शिक्षक, कथित आरोपी छात्र, उसके माता-पिता, विद्यालय के प्रधान पाठक और अन्य शिक्षक उपस्थित थे। जांच अधिकारी ने अवल से जुड़ी घटना को गंभीर माना और स्वीकार किया कि लापरवाही तो हुई है, किंतु उन्होंने दोषी शिक्षकों पर कार्यवाही को लेकर कोई स्पष्ट आश्वासन नहीं दिया। उन्होंने सिर्फ यह कहा कि इलाज सरकारी प्रक्रिया के अनुसार कराया जाएगा।

अवल बंजारे के पिता बंजारे ने कहा, यदि सरकारी प्रक्रिया दो माह तक चलेगी, तो क्या हम इस दौरान सिर्फ भरोसे पर बैठे रहें ? मुझे मजबूरी में बच्चे को इलाज के लिए चेन्नई ले जाना पड़ रहा है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा की यदि प्रशासन जल्द कोई ठोस कार्यवाही नहीं करता है, तो मैं भूख हड़ताल पर बैठूँगा। उन्होंने सभी वरिष्ठ जनों, संगठनों और समाज के जागरूक नागरिकों से अपील की है कि वे इस लड़ाई में साथ दें और इस मासूम को न्याय दिलाने में सहयोग करें।

बताया जा रहा हैं की अवल बंजारे एक अत्यंत गरीब परिवार से आता है, इसलिए उसके इलाज व न्याय के लिए सामाजिक सहयोग अत्यंत आवश्यक है। वर्तमान में विद्यालय प्रशासन, कथित आरोपी शिक्षक व शिक्षा विभाग की निष्क्रियता पर स्थानीय जनों में आक्रोश व्याप्त है।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी सम्मानित हुए प्रशस्ती पत्र से

कोरबा। मुख्यमत्री विष्णुदेव साय ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा शतप्रतिशत उपलब्धि प्राप्त करने के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, खण्ड चिकित्सा अधिकारी कोरबा एवं पोंड़ीउपरोड़ा को प्रशस्ती पत्र देकर सम्मानित किया गयासंपूर्णता अभियान सम्मान समारोह के अंतर्गत न्यू सर्किट हाउस रायपुर में मुख्य मंत्री विष्णुदेव साय , उपमुख्यमत्री अरूण साव, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के द्वारा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एस.एन.केशरी , खण्ड चिकित्सा अधिकारी कोरबा एवं पोंड़ी उपरोड़ा को प्रशस्ती पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संसद सदस्य बृजमोहन अग्रवाल, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, स्वास्थ्य सचिव कटारिया, रायपुर के विधायक सुनील सोनी, आरंग के विधायक गुरू खुशवंत साहेब, आकांक्षी जिला के प्रभारी सचिव, नीतिआयोग के सदस्य, सीईओ जिला पंचायत दिनेश नाग तथा अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।भारत सरकार नईदिल्ली के दिशा निर्देश के तहत सचालित आकांक्षी जिला कार्यक्रम के अंतर्गत उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए यह पुरूस्कार प्रदान किया गया। जुलाई से सितंबर 2024 तक चले संपूर्णता अभियान में कोरबा जिले के विकासखण्ड कोरबा ने 06 संकेतकों में 05 संकेतकों में शतप्रतिशत उपलब्धि प्राप्त कर रजत पदक तथा विकासखण्ड पोंड़ी उपरोड़ा ने 6 संकेतकों में 04 संकेतकों में शतप्रतिशत उपलब्धि प्राप्त कर कांस्य पदक प्राप्त किया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एस.एन.केशरी ने बताया कि कलेक्टर महोदय के मार्गदर्शन में कोरबा जिले के ब्लाक कोरबा तथा पोंड़ी उपरोड़ा द्वारा नीतिआयोग के इंडिकेटर जैसे प्रथम तिमाही में गर्भवती महिलाओं का पंजीयन, संस्थागत प्रसव , पूर्ण टीकाकरण, एनसीडी जॉंच में शतप्रतिशत उपलब्धि हासिल कर पुरुस्कार प्राप्त किया है, इस उपलब्धि को प्राप्त करने में जिला प्रशासन का सहयोग, स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सकों , स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के साथ-साथ मितानिनों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

चिकित्सा सेवा के 50 वर्ष पूरे होने पर बीडी का सम्मान

कोरबा। अविभाजित मध्य प्रदेश प्रान्त के अविभाजीत बिलासपुर जिला के अंतर्गत आने वाले तत्कालीन ग्राम पंचायत कोरबा में अपने चिकित्सा सेवा की शुरुआत करने वाले और शहर के वरिष्ठ चिकित्सकों में शुमार डॉ.बीडी अग्रवाल (भगवान दास अग्रवाल) ने अपने चिकित्सकीय जीवन के 50 साल 4 अगस्त 2025 को पूरे किए।

इस अवसर पर श्वेता नर्सिंग होम,पावर हाऊस रोड में समस्त स्टाफ सहित उनके शुभचिंतकों ने स्वागत-सम्मान कर अपनी शुभकामनाएं दी। डॉ.बी.डी. अग्रवाल का तिलक वंदन करते हुए उनके स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कामना की गई।

उल्लेखनीय है कि जब कोरबा से लगे इलाके पावर हाउस रोड, टीपी नगर,निहारिका जंगल हुआ करते थे, तब शहर के नाम पर पुरानी बस्ती कस्बा होता था। पुराना बस स्टैंड के निकट डॉ.बीडी अग्रवाल अपना छोटा सा क्लिनिक चलाया करते थे। टाट की झोपड़ी में उन्होंने अपने चिकित्सकीय जीवन की शुरुआत की।

1 साल यहां सेवा के बाद लगभग 15 वर्षो तक दीनदयाल मार्केट के सामने किराए की दुकान में क्लीनिक संचालित किए। संघर्षों के दिनों में कोरबावासियों के स्नेह और सहयोग से वह अपने करियर को आगे बढ़ाते गए और एक मुकाम हासिल किया। तत्कालीन विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण साडा के कार्यकाल में उन्होंने पावर हाउस रोड नहर के किनारे श्वेता नर्सिंग होम की स्थापना 11 मई 1990 में की। इस अस्पताल के माध्यम से डॉ.अग्रवाल ने शहर के चिकित्सकों के साथ मिलकर सैकड़ों-हजारों मरीजों के जीवन की रक्षा की है।

उम्र के 76 पड़ाव पार कर चुके डॉ.बी.डी. अग्रवाल ने अपनी चिकित्सा सेवा के सफलतम 50 वर्ष पूर्ण होने पर साडा के प्रथम अध्यक्ष डॉ. यू.एस. जायसवाल, पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल का विशेष धन्यवाद देते हुए साथी चिकित्सकों,शहर वासियों से मिल रहे सहयोग व स्नेह के प्रति आभार माना है।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने घायल व्यक्ति को खुद के वाहन से भिजवाया अस्पताल

कोरबा । छत्तीसगढ़ की महिला एवं बाल विकास सह समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने एक बार फिर अपनी संवेदनशीलता और मानवीयता का परिचय दिया। रायपुर से अपने निज निवास वीरपुर जाते समय केंद्रीय मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े का काफिला जैसे ही सुतर्रा मोड़, कटघोरा पहुंचा, उन्होंने सड़क पर दुर्घटनाग्रस्त एक दोपहिया वाहन सवार युवक को देखा। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए कैबिनेट मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने तत्काल अपने काफिले को रुकवाया और स्वयं मौके पर पहुंचकर घायल व्यक्ति की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने बिना समय गंवाए घायल को अपने वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, कटघोरा भिजवाने की व्यवस्था की। श्रीमती राजवाड़े ने कोरबा जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को फोन कर घायल को त्वरित और समुचित उपचार देने के निर्देश भी दिए।

तकनीकी समिति का गठन

कोरबा। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा कोरबा के जल प्रदाय योजना के विस्तार हेतु जिला खनिज संस्थान न्यास कोरबा को विस्तृत प्राक्कलन प्रेषित किया गया है।कलेक्टर सह अध्यक्ष जिला खनिज संस्थान न्यास कोरबा अजीत वसंत द्वारा उक्त कार्य में जल की गुणवत्ता, जल का इन्टेक एवं वार्डो में जल आपूर्ति की वर्तमान स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्राप्त प्राक्कलन का वित्तीय, भौतिक तथा तकनीकी परीक्षण करने हेतु तीन सदस्यीय तकनीकी समिति गठन किया गया है। जिसमें कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग, कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग और कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन विभाग जिला कोरबा शामिल हैं।

ग्राम देवरी और आसपास के ग्रामो में विधायक प्रेमचंद पटेल ने दी नई योजनाओं की सौगात

कोरबा । कोरबा अंचल के कटघोरा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत विकास की दिशा में एक और बड़ा कदम बढ़ाते हुए ग्राम पंचायत देवरी में क्षेत्र के सरल, सहज एवं जनप्रिय विधायक प्रेमचंद पटेल के द्वारा एक साथ करोड़ों की लागत वाले कई निर्माण कार्यों का भूमि पूजन कर विकास कार्यो का शुभारंभ किया गया। उक्त कार्यक्रम को ग्रामीण अंचलों में समग्र विकास की मजबूत पहल के रूप में देखा जा रहा है।कार्यक्रम में भूमि पूजन अंतर्गत किए गए प्रमुख कार्य में चार आंगनबाड़ी भवनों का निर्माण कार्य अंतर्गत ग्राम देवरी में दो भवन, ग्राम तेंदुकोंहा में एक भवन, ग्राम कोराई में एक भवन, पुलिया निर्माण कार्य अंतर्गत गाढ़ाघाट सलिया नाला, झेरिया नाला, सीसी सड़क निर्माण कार्य अंतर्गत उतरा घर से गाढ़ा घाट तक सड़क निर्माण कार्य, प्राथमिक विद्यालय देवरी में अहाता निर्माण कार्य आदि सम्मिलित हैं। उक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम पंचायत देवरी के सरपंच शिवलाल कंवर ने की, जिन्होंने विधायक प्रेमचंद पटेल को श्रीफल भेंट कर उनके प्रयासों के लिए आभार प्रकट किया। इस अवसर पर विधायक प्रेमचंद पटेल ने अपने संबोधन में कहा की कटघोरा विधानसभा क्षेत्र के गांवों में समग्र और संतुलित विकास सुनिश्चित करना ही हमारा संकल्प है। हर क्षेत्र में मूलभूत सुविधाएं पहुंचे, यह हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने क्षेत्रवासियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि आने वाले समय में और भी विकास कार्यों को मंजूरी दी जाएगी।कार्यक्रम उपरांत विधायक श्री पटेल ने कोराई और देवरी के बीच स्थित जर्जर पुलिया का स्थल निरीक्षण किया और जल्द ही नए पुल निर्माण की स्वीकृति हेतु प्रस्ताव भेजने की बात कही।उक्त समेत कार्यक्रम में विधायक प्रेमचंद पटेल, सरपंच शिवलाल कंवर, जनपद प्रतिनिधि भुवन पाल कंवर, भाजपा कटघोरा महामंत्री समजीत सिंह, जवाली मंडल महामंत्री महेंद्र यादव, जितेंद्र सिंह, अरदा सरपंच मंगलू, जवाली मंडल अध्यक्ष श्रवण तंवर, देवरी उपसरपंच प्रतिनिधि बजरंगदास, लौंगदास, महावीर यादव, श्रीमती कुमारी बाई, श्रीमती ललिता बाई, संतन दास, बलराम यादव, लेन सिंह, रवि शंकर अहीर, कमलेश, सुकृति दास, निर्मल दास, बुधवार सिंह, शुक्रवार सिंह, रामायण दास, गुलाब दास, प्रताप सिंह, विधायक प्रतिनिधि नरेंद्र चौहान, जवाली मंडल मंत्री जितेंद्र जोशी सहित अन्य उपस्थित थे।

सृष्टि मेडिकल महाविद्यालय के शिव मंदिर परिसर मे शिव महापुराण कथा आयोजित

कोरबा । कोरबा अंचल में सावन माह के पावन अवसर पर सृष्टि मेडिकल महाविद्यालय शिव मंदिर परिसर में संगीतमय श्री शिव महापुराण कथा का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री सह कोरबा विधायक लखनलाल देवांगन की गरिमामयी उपस्थिति रही। कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने भगवान शंकर की विधिवत पूजा-अर्चना की और श्रद्धा भाव से शिव महापुराण की कथा का श्रवण किया। शिव महापुराण कथा का वाचन जगद्गुरु नर्मदा पुरी गोस्वामी महाराज द्वारा किया गया, जिनके ओजस्वी प्रवचनों ने श्रद्धालु श्रोताओं को आध्यात्मिक अनुभूति से सराबोर कर दिया।

समाज से किया बहिष्कृत, अब वापस शामिल करने की जा रही 50 हजार रूपए की मांग

शिकायत के बावजूद नहीं हो रही सुनवाई

सक्ती। जिले में निषाद (केवट) ने समाज एक परिवार को बहिष्कृत कर दिया है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि उन्हें समाज में वापस शामिल करने के लिए 50 हजार रुपए की मांग कर रहे हैं। उनका यह भी कहना है कि शिकायत के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हो रही है। यह मामला डभरा थना क्षेत्र का है।

दरअसल, लक्ष्मी निषाद अपने दो बेटों के साथ ग्राम सकराली में रही है। जो कि पति अभयराम निषाद की मौत हो चुकी है। पीड़ित परिवार के मुताबिक, अभयराम के हिस्से की भूमि को समाज के कुछ सदस्यों ने बिना पारिवारिक बंटवारे के 14 लाख रुपए में बेच दिया। जब उन्होंने इसका विरोध किया और अपना हिस्सा मांगा, तो गांव के कुछ समाज पदाधिकारियों ने बैठक कर उन्हें रोटी-बेटी, खानपान और सामाजिक संबंधों से बहिष्कृत कर दिया। लक्ष्मी निषाद ने बताया कि इन लोगों ने समाज की बैठकें बुलाकर उन्हें बार-बार अपमानित किया है।

उन्होंने 21 जुलाई 2025 को डभरा थाने में भी दर्ज कराई गई थी। लेकिन लगभग दो सप्ताह बीत जाने के बाद भी अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। ऐसे में पूरा परिवार मानसिक, शारीरिक और आर्थिक रूप से परेशान है।

शिकायत में गजानंद निषाद, शिवलाल निषाद, निरंजन निषाद, समारू निषाद, गोरे लाल निषाद, छोटूराम निषाद सहित अन्य पर धमकी देने और सामाजिक प्रताड़ना करने का आरोप लगाया गया है।

मामला सामने आने के बाद समाज के पदाधिकारी परिवार से मिलने पहुंचे।

मामला सामने आने के बाद समाज के पदाधिकारी परिवार से मिलने पहुंचे।

निषाद केवट समाज के पदाधिकारी पीड़ित परिवार से मिले

इधर, मामले की जानकारी मिलते ही छत्तीसगढ़ निषाद केवट समाज के प्रदेश संगठन ने मामले को संज्ञान में लिया। 2 अगस्त को जिला स्तर के पदाधिकारी पीड़ित परिवार से मिलने सकराली गांव पहुंचे। पदाधिकारियों ने पीड़िता से मुलाकात कर उनका दुख-दर्द सुना और प्रशासन से दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

वहीं इस मामले में डभरा थाना प्रभारी कमल किशोर महतो ने बताया कि महिला ने 21 जुलाई को थाने मे शिकायत दर्ज कराई थी। मामले की जांच की जा रही है। साथ ही पीड़ितों का बयान लिया जा रहा है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

लायंस स्कूल की छात्राओं ने खो-खो चैंपियनशिप में जीता कांस्य पदक

जांजगीर। 27 जुलाई (रविवार) को जांजगीर में आयोजित अंतर्विद्यालयीन खो-खो चैंपियनशिप में लायंस इंग्लिश हायर सेकेंडरी स्कूल, चांपा की बालिका टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ब्रिलिएंट पब्लिक स्कूल, जांजगीर को पराजित कर कांस्य पदक अपने नाम किया।

प्रतिस्पर्धा में स्कूल की ओर से कुल 12 छात्राओं ने हिस्सा लिया, जिनमें कक्षा 11वीं की अंजली, मौली, श्रद्धा, मुस्कान, फातिमा, रुचि, भारती तथा कक्षा 12वीं की सिद्धि, चंचल, रोहिणी, शांभवी और आस्था शामिल रहीं। टीम की कप्तानी रुचि कंवर ने की। टीम को प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन पी.टी.आई. श्री गौरव कटकवार द्वारा प्रदान किया गया।

छात्राओं की इस उपलब्धि पर विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती अजीता वी.के., लायन शिक्षा समिति के चेयरमैन लायन रामप्रपन्न देवांगन एवं लायंस क्लब के अध्यक्ष लायन संतोष सोनी ने छात्राओं और कोच को हार्दिक बधाई दी।

लायन रामप्रपन्न देवांगन ने छात्राओं को उनके आत्मविश्वास और खेल भावना के लिए सराहते हुए निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन की शुभकामनाएं दीं।

लायन संतोष सोनी ने भी छात्राओं के उत्साह, टीमवर्क और जुझारूपन की प्रशंसा करते हुए उन्हें भविष्य में राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए प्रेरित किया। छात्राओं ने इस सफलता का श्रेय अपने कोच, प्रधानाचार्या एवं लायन समिति को देते हुए उनके सतत् सहयोग और मार्गदर्शन के लिए आभार प्रकट किया। विद्यालय की ओर से कोच श्री गौरव कटकवार एवं शिक्षिका श्रीमती मधु पांडेय मैच के दौरान उपस्थित रहीं और छात्राओं का उत्साहवर्धन किया।

विद्यालय परिवार ने इस उपलब्धि पर छात्राओं को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

भाजपा सरकार में गांवों का हो रहा विकास

जांजगीर-चाम्पा। नवागढ़ विकासखण्ड के ग्राम पंचायत घुठिया के स्कूलपारा में जिला पंचायत जांजगीर-चाम्पा के सभापति राजकुमार साहू के अथक प्रयास से नया ट्रांसफार्मर लगवाया गया। ग्रामीणों की मांग पर गांव के स्कूलपारा में इलेवन तार सहित नया ट्रांसफार्मर लगवाया गया, जिससे अब ग्रामीणों को लोओलटेज की समस्या व बिजली बंद की समस्याओं से निजात मिलेगा।

श्री साहू ने उपस्थित ग्रामीणों को कहा कि जब से केंद्र व राज्य में भाजपा की सरकार बनी हैं, तभी से गांव-गांव में विकास की गंगा बह रही हैं। सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं का संचालन भी किया जा रहा हैं। ताकि ग्रामीणों को इस योजनाओं का लाभ आसानी से मिल सके। सभापति का गांव के सत्यनारायण पटेल, मनीराम पटेल, चिरौंजी लाल पटेल, राजकुमार खरसन-सरपंच प्रतिनिधि, माखन लाल पटेल, मया लाल यादव, जय कुमार पटेल, दीलिप कुमार,आनंद राम यादव, पवन कुमार पटेल, रामबिलास पटेल, राजकुमार पटेल ने आभार व्यक्त किया हैं।

फेमेक्स कार्यक्रम के अंतर्गत आपदा प्रबंधन का हुआ प्रशिक्षण

कॉलेज, स्कूल के विद्यार्थियों और अधिकारियों कर्मचारियों को मिली उपयोगी जानकारी

प्राकृतिक आपदाओं से निपटने एनडीआरएफ की टीम ने कराया अभ्यास

सक्ती। जिला मुख्यालय सक्ती में आज कलेक्टर श्री अमृत विकास तोपनो की उपस्थिति में फेमेक्स कार्यक्रम अंतर्गत आपदा प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसका नेतृत्व राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की टीम ने किया। कार्यक्रम के तहत एनडीआरएफ की टीम द्वारा परिचयात्मक अभ्यास, सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम और स्कूल सुरक्षा से संबंधित विभिन्न गतिविधियो का अभ्यास कराया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री तोपनो ने कहा कि एनडीआरएफ एक अत्यंत प्रशिक्षित और समर्पित टीम है, जो हर प्रकार की आपदा में त्वरित और प्रभावी राहत कार्य करती है। यह टीम फर्स्ट रिस्पॉन्डर के रूप में समन्वय बनाकर आपदाओं से निपटने में त्वरित कार्य करती है। उन्होंने बताया कि फेमेक्स कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन, स्कूली छात्र छात्राओं, युवाओं ग्राम स्तरीय स्वयं सेवकों सहित सभी वर्ग के लोगों को आपदा की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया देने और आपदा की स्थिति से निपटने के लिए जागरूक एवं प्रशिक्षित करना है। कार्यक्रम के दौरान एनडीआरएफ की टीम ने प्रतिभागियों को प्राकृतिक आपदाओं (जैसे भूकंप, बाढ़ आदि), आपदाओं (जैसे आगजनी, दुर्घटनाएं आदि), आपदा प्रबंधन के सिद्धांतों, राहत एवं बचाव कार्यों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। प्रशिक्षण में कलेक्टर कार्यालय के अधिकारियों, कर्मचारियों सहित कॉलेज और स्कूल के छात्र-छात्राए, शिक्षकगण आदि शामिल हुए।

चांपा-जांजगीर जिले में गूंजा हर हर महादेव

स्कूल में अनियमितताओं का आरोप, जांच की मांग

रायगढ़। शहर के पीएमश्री आत्मानंद नवटर स्कूल में अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए एनएसयूआई के जिला सचिव गौरव साव ने जनदर्शन में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। शिकायत में स्कूल प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। आरोप है कि 11वीं-12वीं के छात्रों से अनुपस्थिति पर 50 रुपए प्रतिदिन और हाई स्कूल के छात्रों से 10 रुपए प्रतिदिन का जुर्माना लिया जा रहा है, जो अन्यायपूर्ण और गैरकानूनी है। कंप्यूटर शिक्षक पर धूम्रपान करने और अब तक एक भी कक्षा न लेने का आरोप है। छात्रों द्वारा शिकायत करने पर प्राचार्य ने शिक्षक का पक्ष लिया और छात्रों को ही डांट दिया। समर कैंप के लिए शासन से मिले 1 लाख 45 हजार रुपए की राशि के दुरुपयोग का भी आरोप है। बताया गया कि कुछ छात्रों को सिर्फ 5 रुपए का बिस्किट और 1 केला देकर समर कैंप दिखाया गया, जबकि शेष राशि स्टाफ और बाबुओं में बांट दी गई। वहीं 15 अगस्त के डांस कार्यक्रम के नाम पर 200 छात्रों से 500-500 रुपए वसूले गए।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी आमजनों की समस्याएं

जांजगीर-चांपा। कलेक्टर ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम के माध्यम से जिले के नागरिकों की समस्याओं, शिकायतों एवं मांगों को सुना। जनदर्शन में कुल 80 आवेदन प्राप्त हुए, कलेक्टर ने प्राप्त सभी आवेदनों के निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के साथ त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

जनदर्शन में तहसील मुख्यालय सारागांव निवासी पवन सिंह द्वारा निराश्रित पेंशन दिलाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर ने उप संचालक समाज कल्याण को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। नगर पंचायत खरौद निवासी आसा प्रकाश यादव द्वारा राशन कार्ड से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर जिला खाद्य अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार आज जनदर्शन में पीएम आवास योजना, आर्थिक सहायता, ऋण प्रदाय सहित अन्य विषयों पर आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर श्री महोबे ने कहा कि आम नागरिकों की समस्याओं का समाधान सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्रवाई करे।

ज्ञानोदय जांजगीर में पुस्तक वितरण किया गया

जांजगीर। ज्ञानोदय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जांजगीर में कक्षा पहिली से दसवीं तक के छात्र - छात्राओं को पुस्तक वितरित किया गया। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं एवं समग्र शिक्षा के अंतर्गत शासकीय के साथ अशासकीय विद्यालयों को भी पाठ्य पुस्तक का वितरण किया जाना है।

इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम रायपुर द्वारा विद्यालय को प्राप्त कक्षा पहिली से दसवीं तक के हिंदी एवं अंग्रेजी माध्यम की किताबों का वितरण किया गया है। विद्यालय के प्राचार्य डॉ.सुरेश यादव की उपस्थिति में विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों को कक्षा प्रभारी के माध्यम से पुस्तकें वितरित की गईं। राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद छत्तीसगढ़,रायपुर द्वारा प्रकाशित पुस्तकों का आवरण पृष्ठ नए कलेवर और आकर्षक रंगों में विद्यार्थियों के लिए जितने लुभावने हैं उतने ही अंदर के पृष्ठों में ज्ञान का भंडार भरा हुआ है। विभिन्न पाठों के बार कोड को स्कैन कर विषय वस्तु की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है। विद्यालयीन छात्र - छात्राओं ने नि ःशुल्क पुस्तक प्राप्त कर प्रसन्नता व्यक्त किया है तथा पुस्तकों को नियमित पढ़ने एवं क्षतिग्रस्त नहीं करने का संकल्प लिया है।

बंगाल में पकड़ाया पेट्रोल पंप लूट कांड का अरोपी

देवरी। पुलिस ने पेट्रोल पंप लूट कांड में शामिल पांच वर्षों से फरार एक आरोपी को पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार कर सोमवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। उक्त जानकारी खोरीमहुआ अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राजेंद्र प्रसाद ने पत्रकारों को दी। उन्होंने बताया कि बीते 22 सितबंर 2020 को चतरो-जमुआ मुख्य मार्ग पर देवरी थाना क्षेत्र के जालखरियोडीह मोड़ के पास संचालित साहू फ्यूल सेंटर में पिस्टल की नोक पर बाइक सवार अपराधियों ने धावा बोल कर लूटपाट की थी। लूट की घटना के बाद फ्यूल संचालक के आवेदन पर देवरी थाना में कांड संख्या 296/20 के तहत अज्ञात अपराधियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर त्वरित कार्रवाई करते हुए दो अपराधियों को पिस्टल व जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार कर किया।

कलेक्टर-एसपी ने ली अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण की प्रस्तावित बैठक

जांजगीर-चांपा। मुख्यमंत्री एवं अध्यक्ष अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण विष्णु देव साय की अध्यक्षता में 07 अगस्त 2025 गुरुवार को अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण की बैठक जिले में प्रस्तावित है। कलेक्टर जन्मेजय महोबे एवं पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पांडेय ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आवश्यक तैयारियों के संबंध में अधिकारियों की बैठक ली।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि सभी तैयारी समय पर पूर्ण की जाए। कलेक्टर ने हेलीपैड, बेरिकेटिंग, मीटिंग से संबंधित प्रेजेंटेशन, माईक, बैठक व्यवस्था, विद्युत, पेयजल, सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छता, आवागमन, रोड क्लीयरेंस, प्रवेश पास आदि के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को समय सीमा में कार्य पूरा करने कहा गया। कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों से कहा कि वे अपने-अपने दायित्वों का निष्ठापूर्ण निर्वहन करे और यह सुनिश्चित करें कि कोई भी व्यवस्था अधूरी न रहे।

पुलिस अधीक्षक पांडेय ने सुचारु ट्रैफिक नियंत्रण एवं पार्किंग व्यवस्था हेतु पुलिस विभाग को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल की तैनाती, बेरिकेटिंग, एंट्री-एग्जिट पॉइंट्स एवं अन्य व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में कमांडेंट विमल बैस, जिला पंचायत सीईओ गोकुल रावटे, अपर कलेक्टर ज्ञानेंद्र सिंह, अपर कलेक्टर आर के तंबोली सहित विभिन्न अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कबाड़ी वाले ने 5 साल की बच्ची से किया दुष्कर्म

रायगढ़। जिले में एक कबाड़ी वाले ने 5 साल की बच्ची से रेप किया है। आरोपी केवड़ाबाड़ी बस स्टैंड के पास से बच्ची को अपने साथ कबाड़ बिनने के बहाने ले गया और सुनसान जगह में ले जाकर घटना को अंजाम दिया। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

पुलिस के मुताबिक, बच्ची को वह अपने साथ जबलपुर ले गया था। जहां उसे 3 दिन तक रेप किया और मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने बच्ची को बरामद किया और आरोपी को जेल भेजा। वहीं, पॉक्सों कोर्ट ने आरोपी को 20 साल की कठोर सजा सुनाई है।

घटना 11 अगस्त 2023 की है। जहां घरेलू विवाद के चलते मां अपनी 5 साल की बेटी और 10 साल के बेटे को लेकर केवड़ाबाड़ी बस स्टैण्ड के यात्री प्रतीक्षालय में रहती थी। साथ ही पास के एक होटल में काम करती थी।वहीं, आरोपी कैलाश राजपूत जशपुर का रहने वाला था, वह रायगढ़ में कबाड़ बिनने का काम करता था और बस स्टैण्ड के यात्री प्रतीक्षालय में रहता था। घटना वाले दिन मां की तबीयत खराब थी, वह सो रही थी, दोनों बच्चे खेल रहे थे।इसी बीच शाम 4 बजे बेटा अपनी मां को जगाते हुए बताया कि बहन को कैलाश राजपूत बुलाकर कहीं ले गया है। जिसके बाद आसपास खोजबीन की लेकिन उसका कुछ पता नही चला। जिसके बाद मां ने कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 363, 368 के तहत अपराध दर्ज कर मामले को जांच में ले लिया। 15 अगस्त 2023 को पीड़िता को जबलपुर के सेवा भारती मातृछाया से बरामद कर रायगढ़ लाया गया और आरोपी को भी हिरासत में लिया गया।

पूछताछ में बच्ची ने बताया कि आरोपी कैलाश राजपूत कबाड़ बिनने के लिए अपने साथ ले गया था। जहां रेलवे स्टेशन में रखा और सुनसान जगह पर ले जाकर उसके साथ रेप करने की कोशिश करता रहा। पीड़िता के चिल्लाने पर उसके साथ मारपीट करते हुए मारकर फेंकने की भी धमकी देता रहा।

पीड़िता के बयान के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 323, 506, 366 (क) 376 (2) (ढ) एवं लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम की धारा 06 पास्को एक्ट जोड़ते हुए आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया।

जहां दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश एफटीएससी पास्को न्यायालय के पीठासीन अधिकारी देवेन्द्र साहू ने आरोपी कैलाश राजपूत को सभी धारा के आरोप में दोष सिद्ध पाया और अलग-अलग धाराओं में कुल 20 साल के कठोर कारावास और 8 हजार के अर्थदण्ड से दंडित किया है।

न्यायालय के आदेश में आरोपी के द्वारा अर्थदण्ड न पटाने पर अलग-अलग धाराओं में पृथक से सजा भुगतान का भी प्रावधान किया गया है। मामले की विवेचना टीआई शनीफ रात्रे और एसआई दीपिका निर्मलकर ने की और अभियोजन पक्ष की ओर से अपर लोक अभियोजक मोहन सिंह ठाकुर ने पैरवी की।

महिला कांग्रेस की बैठक में संगठन के विस्तार पर जोर

जांजगीर। महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष श्रीमती सीमा शर्मा के आदेश पर वार्ड नंबर 21 के अंबेडकर सामुदायिक भवन में नगर अध्यक्ष महिला श्रीमती शशिकांत हंसेलिया ने एक बैठक आयोजित कि ।

आज की बैठक में जिला महिला कांग्रेस की अध्यक्ष ने कहा कि महिलाओं को संगठित होकर कांग्रेस के पक्ष पर कार्य करने पर जोर दिया एवं आगामी दिनों में हर वार्ड में बैठक आयोजित किया जाएगा ताकि महिला संगठन का विस्तार हो सके।

जिला उपाध्यक्ष वर्षा सिंह ने कांग्रेस की रीति-नीति पर प्रकाश डाला महिला नगर अध्यक्ष शशिकांत हंसेलिया ने कहा कि मेरे को जो दायित्व दिया गया है उसे मैं निष्ठा के साथ पूरा करूंगी इस कार्यक्रम में पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष भगवान दास भी महिलाओं को संगठित होने हेतु कहा आज की बैठक में जिला उपाध्यक्ष वर्षा सिंह रेखा लदेर वार्ड नंबर 2 की पार्षद जागेश्वरी सूर्यवंशी परमेश्वर निर्मले छाया पार्षद जय कुमार संध्या निर्मलकर दीपशिखा हंसेलिया संतोषी साहू दुर्गेश्वरी यादव छाया राठौर अनीता ठाकुर प्रेम यादव राजकुमारी श्रीवास रोशनी मुन्नी दुर्गा यादव शशि राठौर एवं अन्य महिलाएं भारी संख्या में उपस्थित थी

अनमोल वचन......

याद रखना हर साथ देने वाला अपना नहीं होता।

स्कूली इमारतों के निर्माण गुणवत्तापूर्ण हों

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को निर्देश जारी कर स्कूलों में बच्चों से जुड़ी संरचनाओं तथा सुरक्षा तंत्र का ऑडिट करना अनिवार्य कर दिया है। यह कदम राजस्थान के झालावाड़ जिले के पिपलोदी गांव में एक सरकारी स्कूल की इमारत का हिस्सा गिरने के मद्देनजर उठाया गया है। गौरतलब है कि 25 जुलाई को हुए इस हादसे में सात बच्चों की मौत हो गई और 28 अन्य घायल हो गए थे। इसे देखते हुए शिक्षा मंत्रालय ने स्कूली इमारतों में संरचनात्मक समग्रता, अग्नि सुरक्षा, आपातकालीन निकास और बिजली के तारों का गहन मूल्यांकन करने को कहा है। कर्मचारियों और छात्रों को आपातकालीन तैयारियों का प्रशिक्षण, जिसमें निकासी अभ्यास, प्राथमिक उपचार और सुरक्षा प्रोटोकॉल शामिल हों, सुनिश्चित करने को भी कहा है। हाल के समय में स्कूलों में कई दुखद घटनाएं हुई हैं, जिनमें कई छात्र असमय काल के गाल में समा गए। जाहिर है कि यह कदम काफी देर से उठाया गया है, लेकिन निश्चित ही सराहनीय है, जिसमें नौनिहालों के जीवन को लेकर सरकार की संजीदगी का पता चलता है। राज्यों के सार्वजनिक निर्माण विभाग और पंचायती स्तर पर स्कूली इमारतों के निर्माण कराए जाते हैं। जरूरी है कि निर्माण गुणवत्तापूर्ण हों। निर्माण सामग्री घटिया न हो। इसके लिए इन विभागों में निगरानी तंत्र होता है। यदि कोई इमारत मियाद पूरी करने से पहले ही जर्जर होकर धराशायी होने के कगार पर जा पहुंची है, तो निर्माण कार्य में घटिया सामग्री के इस्तेमाल के साथ ही लापरवाही और सरकारी धन की बंदरबांट बड़े कारण हो सकते हैं। इसलिए जरूरी है कि स्कूली इमारतों में निर्माण के स्तर पर अतिरिक्त सतर्कता बरती जाए। ऐसा होता है तो इस प्रकार की दर्दनाक घटनाओं का सामना नहीं करना पड़ेगा। सरकार के ही कई विभाग हैं, जो अपने लिए जरूरी निर्माण कार्य अपने तई विभाग गठित करके पूरा कराते हैं। इन विभागों का प्रमुख दायित्व निर्माण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करना होता है यानी अपनी नजरों के सामने निर्माण कराए जाने को तरजीह दी जाती है। यहां तो मसला होनहारों का है, जिन्हें किसी भ्रष्टाचार का शिकार नहीं होने दिया जा सकता। अच्छी बात है कि सरकार ने सभी स्कूली इमारतों की सुरक्षा जांच को कहा है। यह भी जरूरी है कि असुरक्षित स्थितियों पर सतत कड़ी नजर रखी जाए।

राशिफल

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आपका काम बेहतर तरीके से पूरा हो जायेगा, जिससे आपको खुशी मिलेगी। आज आपके दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। आज आप बच्चों के लिए तरह तरह के व्यंजन बनायेंगी, जिससे बच्चों को खुशी मिलेगी। आज लेखकों के लिए दिन बहुत अच्छा है, आपके लेखन कार्य की सराहना होगी। साथ ही आज के दिन आप किसी कहानी की शुरुआत भी करेंगे।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए शुभ है। आज व्यापार में आपको बढ़िया लाभ होगा और आज आप कामकाज निपटाने में बहुत हद तक सफल भी रहेंगे। आज आप अपनी तरफ से हर मामले पर पाजिटिविटी बनाये रखें। आज आप किसी समस्या को लेकर दोस्तों से बातचीत कर सकते हैं, जिससे आपको बेहतर सलाह मिलेगी।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहेगा। आज आप किसी नए काम को शुरू करने से पहले पूरी योजना बनाएंगे और साथ ही माता-पिता से सलाह लेंगे। आज सरकारी कामों में नीति व नियमों का पूरा ध्यान देंगे तो, आपको काम करने में आसानी होगी। आज आपको किसी मामले में जल्दबाजी करने से बचना चाहिए और अपने जरूरी कामों की सूची बनाएं, जिससे काफी हद तक काम पूरा करने में सफल रहें।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आपके सारे काम बहुत ही अच्छे से पूरे हो जायेंगे और आज आप पुरानी देनदारी भी निपटा सकते हैं। आज आप जीवनसाथी की भावनाओं को समझने में काफ़ी हद तक सफल रहेंगे। आज आप अपने किसी मित्र की मदद करेंगे, जिससे आपकी मित्रता और ज्यादा गहरी होगी। इस राशि के छात्र आज किसी नए कोर्स को करने का मन बनायेंगे।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक ठाक रहेगा। आज आपको रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे और आज आपको किसी दोस्त का भी सहयोग मिलेगा। आज आपका परिवार के साथ हंसी-मजाक भरा बरताव घर के वातावरण को खुशनुमा बनाये रखेगा, साथ ही आपकी निजी लाइफ बेहतर रहेगी। आज आप नया करोबार करने के बारे में विचार कर सकते हैं।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आपको किसी के मामलों में दखल देने से बचना चाहिए और अगर आप किसी बड़े प्रोजेक्ट में पैसा लगाने की सोच रहे हैं, तो पहले किसी समझदार व्यक्ति से सलाह जरूर लें। आज आपके ऊपर परिवार की कुछ जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी जिन्हें आप बहुत अच्छे से पूरा करेंगे।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज आपके किसी धार्मिक गतिविधि में शामिल होने के योग बन रहे हैं। आज आप किसी मामले में दूसरों के साथ बातचीत या सलाह लेंगे तो फायदा होगा। आज आप जरूरी काम की योजना बनायेंगे, जिससे काम सुचारू रूप से चलता रहे। आज किसी मेहमान के आने से पारिवारिक माहौल खुशनुमा बना रहेगा।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपको कारोबार में पैसा लगाने से पहले बड़ो की राय लेना आपके लिए बेहतर साबित होगा। आज आप बच्चों की इच्छाएं पूरी करने की कोशिश करेंगे। इस राशि के जो व्यक्ति नया बिजनेस करना चाहते हैं उनके लिए आज मार्केट एनालिसिस करना बेहतर होगा। आज आपको नई जिम्मेदारी मिलेंगी, जिसे आप बखूबी पूरा करने में सफल रहेंगे।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए खुशनुमा बना रहेगा। आज आपके अधिकतर काम समय से पूरे हो जायेंगे और आपको करियर से संबंधित नए अवसर मिलेंगे। आज आप नये व्यापार को शुरू करने के लिए बड़े भाई का सहयोग ले सकते हैं। आज कॉमर्स के विद्यार्थी मार्केटिंग को समझने के लिये शिक्षकों की सहायता लेंगे, जो आपके भविष्य में बेहद काम आयेंगी।

आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज घर के बड़ो की मदद से आपका जरूरी काम पूरा हो जायेगा। आज आपको किसी रिश्तेदार से अच्छी खुशखबरी मिलेगी। आज आप जीवनसाथी से किसी विशेष बात पर चर्चा कर सकते हैं।

कुम्भ राशिः आज आपका मन नई उमंग से भरा रहेगा। आज ऑफिस में कलीग आपसे किसी विषय पर राय ले सकते हैं। आज आपको आर्थिक रूप से लाभ मिलेगा, धन के नये स्रोत प्राप्त होंगे। आज आपकी सेहत पहले से बेहतर बनी रहेगी। आज आप शाम का वक्त दोस्तों के साथ गुजारेंगें, जिससे आपको खुशी मिलेगी। इस राशि के हेल्थकेयर से जुड़े व्यक्तियों को आज अनुभवी डॉक्टरों से मिलने का मौका मिलेगा और वे कुछ नया सीखेंगें। आज आपका मन रचनात्मक चीजों में ज्यादा लगेगा।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज परिवार के सामने आपको अपनी राय रखने का पूरा मौका मिलेगा और आपकी योजना से सभी सदस्य काफी प्रभावित होंगे। आज आप सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेंगे,जिससे आपका मान - सम्मान बढ़ेगा। आज आपको ऑफिस में अपने विवेक से निर्णय लेने की पूरी स्वतंत्रता रहेगी। आज आप जीवनसाथी के सहयोग से किसी काम को करने में सफल रहेंगे।

विपक्षी पार्टियां चुनाव का बहिष्कार नहीं करती

//अजीत द्विवेदी//

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने यह शिगूफा छोड़ा है। बिहार में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के खिलाफ विधानसभा में खूब हंगामे के बाद उन्होंने सदन के बाहर मीडिया से कहा कि वे विधानसभा चुनाव का बहिष्कार करने के बारे में विपक्ष की दूसरी पार्टियों से बातचीत करेंगे और जनता की राय भी लेंगे। तेजस्वी यादव ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर हमला करते हुए यह भी कहा कि जब बेईमानी से सब कुछ तय कर रखा है कि किसको कितनी सीटें देनी हैं तो देखा जाएगा कि क्या किया जा सकता है।

उनके कहने का आशय यह था कि अगर विपक्षी पार्टियों में सहमति बनती है और जनता का रुख सकारात्मक दिखता है तो विपक्ष चुनाव का बहिष्कार कर सकता है। इसका मतलब है कि, 'न नौ मन तेल होगा, न राधा नाचेगी'। इससे जाहिर होता है कि विपक्ष को चुनाव का बहिष्कार नहीं करना है, बल्कि चुनाव के बहिष्कार की बात करके पूरी चुनाव प्रक्रिया और चुनाव आयोग की विश्वसनीयता और निष्पक्षता पर सवालिया निशान लगाना है। वास्तविकता यह है कि विपक्ष ने चुनाव आयोग पर जिस तरह के आरोप लगाए हैं उसके बाद कोई कारण नहीं दिखता है कि विपक्ष चुनाव का बहिष्कार न करे। दिल्ली में राहुल गांधी से लेकर पटना में तेजस्वी यादव और मुंबई में उद्धव ठाकरे से लेकर लखनऊ में अखिलेश यादव तक कोई भी विपक्षी नेता नहीं बचा है, जिसने चुनाव आयोग पर सरकार के साथ मिल कर काम करने और विपक्ष को चुनाव हराने के बंदोबस्त करने के आरोप नहीं लगाए हैं। राहुल गांधी ने हरियाणा और महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव में जनादेश चुरा लेने का आरोप लगाया है।

उनका कहना है कि मैच फिक्सिंग से भाजपा ने महाराष्ट्र का चुनाव जीता और ऐसे ही मैच फिक्सिंग बिहार में हुई है। अब वे कर्नाटक की एक लोकसभा सीट के आंकड़े लेकर आने वाले हैं। उन्होंने कहा है कि जनादेश कैसे चुराया जाता है यह कर्नाटक की एक लोकसभा सीट के आंकड़ों से ब्लैक एंड व्हाइट में सबके सामने आ जाएगा। इस तरह वे यह भी बताना चाह रहे हैं कि लोकसभा चुनाव का जनादेश भी चुराया गया था। राहुल गांधी ने बिहार में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान शुरू होने से पहले ही कहा था कि महाराष्ट्र में भाजपा जैसे मैच फिक्सिंग से चुनाव जीती है वैसे ही बिहार में भी मैच फिक्सिंग है। उनके इस बयान के थोड़े दिन बाद बिहार में मतदाता सूची का पुनरीक्षण शुरू हो गया। इसके विरोध में तेजस्वी यादव के साथ साथ राहुल गांधी भी पटना की सड़कों पर उतरे। विपक्ष का आरोप है कि उनके मतदाताओं के नाम काट कर और फर्जी नाम जोड़ कर भाजपा को जिताने की तैयारी हो रही है। सोचें, विपक्ष ने चुनाव आयोग पर कितनी तरह के आरोप लगाए हैं। मतदाता सूची में फर्जीवाड़े का आरोप सबसे नया है।

मतदाता सूची में फर्जीवाड़े के अलावा फर्जी वोट डलवाने, मतदान समाप्त होने के बाद आंकड़ों में गड़बड़ी करने, अचानक मतदान का प्रतिशत बढ़ जाने, मतदान केंद्रों के वीडियो नहीं जारी करके गड़बड़ी छिपाने आदि के आरोप पिछले एक साल से लग रहे हैं। उससे पहले सारा फोकस इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन यानी ईवीएम में गड़बड़ी का था। विपक्ष का पूरा इकोसिस्टम साबित करने में लगा था कि ईवीएम में गड़बड़ी करके भाजपा जीत रही है। हालांकि विपक्ष किसी ठोस सबूत से इसे प्रमाणित नहीं कर सका। बहरहाल, अब सीधे चुनाव कराने वाली संस्था यानी चुनाव आयोग को ही कठघरे में खड़ा कर दिया गया है।

सोचें, अगर चुनाव आयोग मतदाता सूची में गड़बड़ी करता है, मनमाने तरीके से कुछ खास समुदाय या जातियों के वोट काटता है और दूसरे फर्जी वोट जोड़ता है, शाम पांच बजे मतदान समाप्त होने के बाद लाखों की संख्या में वोट डलवा देता है, रात 11 बजे के बाद या मतदान के अगले दिन अचानक मतदान प्रतिशत में बढ़ोतरी कर देता है, ईवीएम में गड़बड़ी करके मतदान प्रतिशत बढ़ाता है और भाजपा की जीत सुनिश्चित करता है तो फिर विपक्ष को क्यों चुनाव लड़ना चाहिए। अगर विपक्ष अपने इन आरोपों के प्रति गंभीर है और इनकी सचाई पर उसको यकीन है तो फिर उसे किसी हाल में चुनाव नहीं लड़ना चाहिए। अगर उसको लग रहा है कि मतदान की निष्पक्षता, स्वतंत्रता और शुचिता से समझौता हो रहा है और चुनाव आयोग सत्तारूढ़ दल की जीत के लिए काम कर रहा है तो उसे चुनाव का बहिष्कार करना चाहिए। क्योंकि ऐसी स्थिति में विपक्ष के लिए बराबरी का मैदान नहीं रहता है और मुकाबला शुरू होने से पहले ही वह हार चुका होता है। मिसाल के तौर पर अगर किसी फुटबॉल मैच में रेफरी दूसरी टीम से मिला होगा तो दूसरी टीम आक्रामक तरीके से खेलेगी, गलत तरीके से आप पर वार करेगी, आपको घायल करेगी और आपको हरा भी देगी। जब आपको रेफरी के यानी चुनाव आयोग के भाजपा से मिले होने के आरोपों पर यकीन है तो आप क्यों मुकाबले में शामिल हो रहे हैं।

ध्यान रहे भारत में कभी भी विपक्षी पार्टियों ने चुनाव के बहिष्कार के बारे में गंभीरता से नहीं सोचा है। वे हर चुनाव से पहले चुनाव आयोग पर आरोप लगाते हैं, ईवीएम सेट होने की बात करते हैं, मैच फिक्सिंग का दावा करते हैं और फिर चुनाव में शामिल होते हैं। अगर जीत गए तो कभी भी प्रक्रिया पर सवाल नहीं उठाते हैं और हार गए तो आरोपों को दोहराने लगते हैं। इससे चुनाव आयोग की साख जितनी खराब हुई है उतनी ही विपक्ष की साख भी खराब हुई है। अब विपक्ष के आरोपों पर लोग यकीन नहीं करते हैं। उप राष्ट्रपति वाले प्रकरण के बाद तो और भी नहीं करेंगे।

ध्यान रहे विपक्ष खासकर कांग्रेस पार्टी जैसे चुनाव आयोग को सरकार से मिला हुआ बताती है वैसे ही तत्कालीन उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को भी सरकार का एजेंट बताती थी। लेकिन धनखड़ का इस्तीफा हुआ तो कांग्रेस उनको नियम और मर्यादा का पालन करने वाला और पक्ष व विपक्ष दोनों पर समान रूप से सख्ती करने वाला बता रही है। तभी यह सवाल उठ रहा है कि कांग्रेस आज चुनाव आयोग में तमाम कमियां निकाल रही है लेकिन क्या पता कल तारीफ करने लगे! बहरहाल, चुनाव बहिष्कार करना विपक्ष का विरोध करने का एक लोकतांत्रिक तरीका है। दुनिया के कई देशों में विपक्षी पार्टियों ने चुनाव का बहिष्कार किया और उसके बाद उन देशों में राजनीतिक हालात बदले। सबसे ताजा मिसाल बांग्लादेश की है। पिछले साल जनवरी में हुए राष्ट्रीय चुनावों में विपक्षी पार्टियों ने तत्कालीन शेख हसीना सरकार पर चुनाव में धांधली करने के आरोप लगाते हुए चुनाव का बहिष्कार किया। विपक्ष के बहिष्कार के बीच हुए चुनाव में 40 फीसदी के करीब वोट पड़े, जिसमें शेख हसीना की पार्टी ने 299 में से 216 सीटें जीतीं। उन्हीं की ओर से खड़ा कराए गए निर्दलीय उम्मीदवारों ने 52 सीटें जीतीं और 11 सीटें जातीय पार्टियों को गईं। अमेरिका सहित दुनिया भर के देशों ने इस चुनाव की आलोचना की। शेख हसीना के प्रति वैश्विक बिरादरी की राय बिगड़ी और नतीजा यह हुआ कि अगस्त में शेख हसीना का तख्तापलट हो गया और उनको भाग कर भारत में शरण लेनी पड़ी।भारत में विपक्षी पार्टियां चुनाव का बहिष्कार नहीं करती हैं क्योंकि उनको अपने आरोपों पर खुद ही भरोसा नहीं है। उनको लगता है कि क्या पता इस बार चुनाव जीत जाएं। उनको यह भी लगता है कि जनादेश चुराने का आरोप लगा कर वे आम जनता को सरकार के खिलाफ खड़ा कर सकते हैं और इसका चुनावी लाभ उनको मिल सकता है। विपक्षी पार्टियों के बीच इतने बड़े मसले पर सहमति भी नहीं है। इसलिए उनको लगता है कि अगर दो चार पार्टियों ने बहिष्कार किया और अन्य पार्टियां चुनाव लड़ गईं तो विपक्ष का स्पेस उनको मिल जाएगा। इसलिए चुनाव आयोग के ऊपर इतने गंभीर आरोप लगाने के बाद भी विपक्षी पार्टियां चुनाव लड़ती हैं।

मालेगांव विस्फोट एवं भगवा पर कलंक की साजिश

//ललित गर्ग //

भगवा आतंकवाद शब्द का पहली बार प्रयोग उस समय के कुछ कांग्रेसी नेताओं ने किया, जिनका उद्देश्य स्पष्ट था, वोटबैंक की तुष्टिकरण नीति, मुस्लिम समाज को डराकर एकतरफा ध्रूवीकरण और हिंदू संगठन व सनातन मूल्यों को कलंकित करना।29 सितंबर 2008 को मालेगांव में हुए बम विस्फोट की न्यायिक परिणति ने एक बार फिर यह सिद्ध किया है कि कैसे सत्ता, वोटबैंक और वैचारिक पूर्वाग्रहों ने भारतीय न्याय और निष्पक्षता की नींव को झकझोर दिया। मुंबई की एनआईए कोर्ट द्वारा सातों आरोपियों-प्रज्ञा सिंह ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित सहित को सबूतों के अभाव में बरी कर देना न केवल कानूनी दृष्टि से एक महत्वपूर्ण फैसला है, बल्कि यह उस भगवा आतंकवाद की मिथ्या कथा पर भी करारा प्रहार है जिसे वर्षों तक कांग्रेस ने राजनीतिक मंचों और मीडिया के जरिए प्रचारित किया गया।

यह कांग्रेस की फर्जी कहानी का अंत एवं सत्य की जीत का एक अमूल्य आलेख है। अदालत का यह वक्तव्य कि 'आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, कोई भी धर्म हिंसा का समर्थन नहीं कर सकता', भारतीय संस्कृति और न्यायशास्त्र की मूल आत्मा को पुनः जीवित करता है। यह वही भारत है जहां 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' और 'अहिंसा परमो धर्मः' की गूंज होती रही है, लेकिन दुर्भाग्यवश 2008 के बाद हिंदू धर्म, हिंदुत्व और भगवा पर ऐसा कलंक मढ़ा गया मानो वे आतंकवाद के स्रोत हों। मालेगांव विस्फोट मामले में एनआइए की विशेष अदालत उस नतीजे पर पहुंची, जिस पर बांबे हाई कोर्ट ट्रेन विस्फोट कांड की सुनवाई करते हुए पहुंचा था। ऐसा कई आतंकी घटनाओं के मामलों में हो चुका है। इससे यही पता चलता है कि कभी जांच एजेंसियां, कभी अदालतें और कभी दोनों अपना काम सही तरह और समय पर नहीं करतीं। जांच और फिर अदालती कार्यवाही में देरी तथा ढिलाई एक बड़ा रोग है। आतंक के मामलों की जांच में यह भी कोई दबी-छिपी बात नहीं कि संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ, मुस्लिम तुष्टिकरण एवं वोट बैंक बाधा बनते हैं। आतंकी घटनाओं को राजनीतिक रंग दिया जाता है। मालेगांव विस्फोट कांड में प्रज्ञा ठाकुर, सुधाकर द्विवेदी आदि की गिरफ्तारी के आधार पर हिंदू और भगवा आतंक का जुमला उछाला गया। इसका मकसद कथित भगवा आतंक को जिहादी आतंक जैसा बताना था। यह हिंदू ही नहीं, देश विरोधी साजिश थी। इसका लाभ पाकिस्तान को मिला, क्योंकि कांग्रेस के कई नेताओं ने समझौता एक्सप्रेस कांड पर भी एजेंसियों के सहारे भगवा आतंक की फर्जी कहानी गढ़ी। भगवा आतंकवाद शब्द का पहली बार प्रयोग उस समय के कुछ कांग्रेसी नेताओं ने किया, जिनका उद्देश्य स्पष्ट था, वोटबैंक की तुष्टिकरण नीति, मुस्लिम समाज को डराकर एकतरफा ध्रूवीकरण और हिंदू संगठन व सनातन मूल्यों को कलंकित करना। इसका परिणाम हुआ कि वर्षों तक निर्दोष लोग जेल में सड़ते रहे। साध्वी प्रज्ञासिंह ठाकुर को एक संन्यासी जीवन से घसीट कर हिरासत में लिया गया, प्रताड़ित किया गया और उनके आध्यात्मिक जीवन को ध्वस्त कर दिया गया। सवाल यह है कि जब सबूत नहीं थे, तब उन्हें जेल में रखने की ज़रूरत क्यों पड़ी? क्यों जांच एजेंसियों ने बेसिर-पैर की कहानियों को सच मान लिया? क्यों मीडिया ने बिना परीक्षण के 'हिंदू आतंकवाद' की ब्रेकिंग न्यूज़ चला दी? यह वही मानसिकता थी जो आतंकवाद को धर्म से जोड़कर एक खास समुदाय को डराने और एक संप्रदाय को बदनाम करने में लगी थी। यह कांग्रेस का एक षडयंत्र एवं साजिश थी जो अब पर्दापाश हो गयी है। कांग्रेस शासित प्रांत में सत्ता का जमकर दुरुपयोग किया गया। मुंबई से लगभग 200 किलोमीटर दूर मालेगांव शहर में एक मस्जिद के पास एक मोटरसाइकिल पर बंधे विस्फोटक उपकरण में विस्फोट होने से छह लोगों की मौत हो गई थी। धमाके में 100 से अधिक घायल हुए थे। न्यायाधीश ने फैसला पढ़ते हुए कहा कि मामले को संदेह से परे साबित करने के लिए कोई विश्वसनीय और ठोस सबूत नहीं है। मामले में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के प्रावधान लागू नहीं होते। कोर्ट ने यह भी कहा कि यह साबित नहीं हुआ है कि विस्फोट में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल प्रज्ञा ठाकुर के नाम पर पंजीकृत थी, जैसा कि अभियोजन पक्ष ने दावा किया है। यह भी साबित नहीं हुआ है कि विस्फोट कथित तौर पर बाइक पर लगाए गए बम से हुआ था। कोर्ट ने कहा, श्रीकांत प्रसाद पुरोहित के आवास में विस्फोटकों के भंडारण या संयोजन का कोई सबूत नहीं मिला। अभियोजन पक्ष यह साबित नहीं कर सका कि विस्फोट से ठीक पहले वह साध्वी प्रज्ञा के पास थी। इससे पहले सुबह सातों आरोपी दक्षिण मुंबई स्थित सत्र न्यायालय पहुंचे, जहां कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। आरोपी जमानत पर बाहर थे। मामले के आरोपियों में प्रज्ञा ठाकुर, पुरोहित, मेजर (सेवानिवृत्त) रमेश उपाध्याय, अजय राहिरकर, सुधाकर द्विवेदी, सुधाकर चतुर्वेदी और समीर कुलकर्णी शामिल थे। उन सभी पर यूएपीए और भारतीय दंड संहिता तथा शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत आतंकवादी कृत्य करने का आरोप लगाया गया था। इस पूरे प्रकरण में न्यायपालिका की देरी और जांच एजेंसियों की लापरवाही स्वयं अदालत द्वारा उजागर की गई। अदालत ने कहा कि ना तो घटनास्थल का स्केच बनाया गया, ना फिंगरप्रिंट लिए गए, ना बम के सटीक स्रोत की पुष्टि हुई और ना ही आरोपियों के खिलाफ कोई प्रत्यक्ष प्रमाण था। अभियोजन पक्ष ने जिस मोटरसाइकिल को बम के लिए इस्तेमाल होने की बात कही थी, वह भी प्रज्ञा ठाकुर से जुड़ी नहीं पाई गई। यह सब कुछ बताता है कि पूरा केस पूर्वग्रहों, दुर्भावना और राजनीतिक साजिश से प्रेरित था। यदि न्याय के नाम पर निर्दोष लोगों को प्रताड़ित किया जाए, तो वह केवल व्यक्ति नहीं, बल्कि समस्त समाज और संस्कृति को दंडित करने जैसा होता है। प्रश्न यह उठता है-तो क्या अब तक इन आरोपियों को गलत तरीके से आतंकवादी घोषित कर वर्षों तक सलाखों के पीछे रखा गया?

हिंदू धर्म और आतंकवाद-ये दो शब्द आपस में मेल नहीं खाते। सनातन संस्कृति का मूल आधार ही शांति, सहिष्णुता और करुणा है। विश्व में यदि कोई धर्म ऐसा है जिसने 'युद्ध नहीं, यज्ञ', 'हिंसा नहीं, अहिंसा' का मार्ग दिखाया है, तो वह हिंदू धर्म है। राम, कृष्ण, महावीर, बुद्ध, विवेकानंद और गांधी-इन सभी की परंपरा में हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं। 'भगवा आतंकवाद' एक गढ़ा गया मिथक था, जो ना केवल हिंदू समाज को कलंकित करता है, बल्कि भारत की आत्मा को भी चोट पहुंचाता है। भगवा वस्त्र तो त्याग, तपस्या और आत्मशुद्धि का प्रतीक है। उसे बम और खून से जोड़ना स्वयं भारतीयता के खिलाफ साजिश है।

इस फैसले ने जहां एक ओर निर्दोषों को न्याय दिया, वहीं दूसरी ओर यह देश के जनमानस को आत्ममंथन का अवसर भी देता है, क्या हम इतनी आसानी से किसी को भी आतंकवादी घोषित कर देंगे? क्या हम किसी राजनीतिक विचारधारा के विरोध के कारण पूरे धर्म को कटघरे में खड़ा कर देंगे? क्या धर्म का दुरुपयोग कर वोटबैंक की राजनीति करते रहेंगे? साध्वी प्रज्ञा ठाकुर की प्रतिक्रिया-÷आज भगवा की जीत हुई है, हिंदुत्व की जीत हुई है÷ इस बयान में उनके दर्द एवं यथार्थ को समझने की आवश्यकता है। यह केवल एक साध्वी की व्यक्तिगत मुक्ति की खुशी नहीं, बल्कि उन करोड़ों लोगों की आवाज़ है जिनके लिए भगवा आस्था और अस्मिता का प्रतीक है।

वर्षों तक मीडिया ने इस मामले को सनसनीखेज बनाकर 'हिंदू आतंकवाद' को ग्लैमराइज किया। प्राइम टाइम पर भगवा को हिंसा से जोड़ना, साध्वी प्रज्ञा ठाकुर को 'संदिग्ध आतंकी' की तरह चित्रित करना और बिना न्यायिक पुष्टि के चरित्रहनन करना, पत्रकारिता के मूलभूत सिद्धांतों के खिलाफ था। वहीं, तथाकथित बुद्धिजीवियों एवं देश की सबसे पुरानी कांग्रेस पार्टी ने भी इस मामले में एकतरफा विचारधारा के चलते भगवा को 'खतरा' घोषित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। ऐसे लोगों से अब यह सवाल पूछा जाना चाहिए कि क्या आप सार्वजनिक रूप से माफी मांगेंगे? मालेगांव विस्फोट मामले में आया फैसला केवल न्यायिक विजय नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक है। यह भारत की न्याय प्रणाली, समाज की सहिष्णुता और धर्म की शुद्धता का प्रमाण है। आज समय है, जब राष्ट्र को यह समझना चाहिए कि धर्म को आतंक से जोड़ना स्वयं एक मानसिक आतंक है। सत्य को स्वीकारने का साहस कीजिए, क्योंकि न्याय तभी पूर्ण होता है जब उसमें निष्पक्षता, संवेदना और सत्य का साथ हो। यह मामला दर्शाता है कि सत्य परेशान हो सकता है, लेकिन पस्त या पराजित नहीं। सत्यमेय जयते- यह सत्य की जीत है, सनातन की जीत है। भगवा वस्त्रों पर लगे झूठे दाग अब धुल चुके हैं, अब समय है संस्कृति के गौरव को फिर से स्थापित करने का।

तस्वीरों की दुनिया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय शिबू सोरेन को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

तेलंगाना जागृति अध्यक्ष और एमएलसी के. कविता हैदराबाद में पिछड़े समुदायों के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण की मांग को लेकर 72 घंटे की भूख हड़ताल के दौरान बोलती हुईं।

राष्ट्रपति भवन द्वारा एक्स के माध्यम से जारी की गई इस छवि में, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित करती हुई दिखाई दे रही हैं।

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं ने नई दिल्ली में भाजपा नीत राज्य सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

प्रयागराज में मानसून के मौसम में गंगा नदी के जलस्तर में वृद्धि के बीच एसडीआरएफ के जवान बाढ़ग्रस्त क्षेत्र से लोगों को निकालते हुए।

लोग एक 15 वर्षीय लड़की को अंतिम श्रद्धांजलि देने के लिए एकत्र हुए, जिसकी जलने से मृत्यु हो गई थी, उसका पार्थिव शरीर भुवनेश्वर हवाई अड्डे पर लाया गया।

चमोली में बारिश के बाद बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध होने से वाहन फंसे हुए हैं।

पीएम मोदी की सांसदों संग अहम बैठक रणनीति और उपराष्ट्रपति चुनाव पर मंथन!

नईदिल्ली, 05 अगस्त [एजेंसी]।

मानसून सत्र के दौरान सदन में विपक्ष के लगातार हंगामे के बीच मंगलवार को राजग संसदीय दल की महत्वपूर्ण बैठक होने जा रही है, जिसे प्रधानमंत्री मोदी संबोधित करेंगे। उपराष्ट्रपति के चुनाव से पहले प्रस्तावित इस बैठक को कई मायनों में बेहद महत्वपूर्ण इसलिए माना जा रहा है कि बैठक की निर्धारित तिथि पांच अगस्त है, जो पीएम मोदी और भाजपा के सियासी एजेंडे में विशेष महत्व रखती है।वर्ष 2019 में इसी तारीख को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाया गया था और एक वर्ष बाद 2020 में इसी दिन पीएम मोदी ने अयोध्या में राम मंदिर के भूमि पूजन का नेतृत्व भी किया था। इसलिए माना जा रहा है कि यह बैठक सिर्फ संसदीय रणनीति तक सीमित नहीं रह सकती है। हालांकि बैठक के एजेंडा के बारे में कुछ स्पष्ट नहीं किया गया है, किंतु भाजपा की ओर से जारी सूचना में कहा गया है कि बैठक मंगलवार की सुबह 9.30 बजे संसद भवन परिसर के जीएमसी बालयोगी ऑडिटोरियम में होगी, जिसमें दोनों सदनों के राजग सदस्यों से मौजूद रहने का आग्रह किया गया है।बहरहाल, लगभग एक वर्ष बाद राजग संसदीय दल की यह बैठक होने जा रही है। पिछली बार दो जुलाई 2024 को तब हुई थी, जब मोदी तीसरी बार पीएम पद की शपथ लेने के बाद पहली बार राजग सांसदों से मिले थे। इस बार यह बैठक ऐसे वक्त में बुलाई गई है जब दोनों सदनों की कार्यवाही लगभग ठप पड़ी हुई है। ऑपरेशन सिंदूर पर विमर्श के बाद भी बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण के मुद्दे पर विपक्ष लगातार चुनाव आयोग पर पक्षपात का आरोप लगाकर हंगामा कर रहा है।

बैठक का दूसरा बड़ा एजेंडा उपराष्ट्रपति का चुनाव हो सकता है। इस पद के लिए सात अगस्त से नामांकन की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है, जो 21 अगस्त तक चलेगी।

विपक्ष की ओर से भी प्रत्याशी उतारने की स्थिति में मतदान नौ सितंबर को हो सकता है।इस बीच राजग को प्रत्याशी की घोषणा करनी है। हालांकि दोनों सदनों में उसे बहुमत प्राप्त है। इसलिए उसकी जीत पक्की मानी जा रही है। बैठक को प्रधानमंत्री मोदी संबोधित करने वाले हैं। जाहिर है, वह न सिर्फ सदन में गतिरोध को लेकर सांसदों को दिशा-निर्देश देंगे, बल्कि हाल की घटनाओं जैसे पहलगाम में आतंकी हमला के बाद ऑपरेशन सिंदूर पर भी बात कर सकते हैं।हालांकि ऐसी बैठकों में सामान्य तौर पर प्रधानमंत्री सांसदों को अपने-अपने क्षेत्रों में उठाए जाने वाले मुद्दों पर मार्गदर्शन देते आए हैं।

साथ ही, जनता से संवाद के लिए उन्हें आवश्यक टिप्स भी देते आए हैं। केंद्र में सहयोगी दलों के साथ सरकार चला रहे भाजपा को उपराष्ट्रपति के चुनाव से पहले राजग की एकजुटता का भी संदेश देना है। बैठक में जदयू, तेदेपा और एलजेपी (रामविलास) को भी आमंत्रित किया गया है। इसलिए इस दौरान भविष्य की रणनीतियों को भी साझा किया जा सकता है।बैठक खास होने का संकेत इसलिए भी है क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की, जिसके तुरंत बाद गृह मंत्री अमित शाह ने भी राष्ट्रपति से फोन पर बात की। सोमवार को संसद भवन में भी सरकार के शीर्ष मंत्रियों की परस्पर कई बैठकें हुईं। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की, जबकि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से विमर्श किया। फिर उन्होंने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल एवं किरेन रिजिजू से भी चर्चा की। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और गृह सचिव गोविंद मोहन ने भी अमित शाह से मुलाकात की। शीर्ष स्तर की सियासी हलचलों को देखते हुए अटकलें तेज हैं कि सरकार किसी फैसले की ओर बढ़ सकती है। ऐसे में बैठक संसद और सरकार दोनों के स्तर पर अहम साबित हो सकती है।

लाल किला परिसर में जबरन दाखिल होने के कोशिश कर रहे 5 बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

नई दिल्ली। लाल किला परिसर में जबरन घुसने की कोशिश कर रहे 5 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। ये सभी अवैध प्रवासी हैं। पुलिस ने जानकारी दी है कि इन सभी की उम्र लगभग 20-25 साल है और ये दिल्ली में मजदूरी करते हैं। पुलिस ने इनके पास से कुछ बांग्लादेशी दस्तावेज बरामद किए हैं। पुलिस इन लोगों से पूछताछ कर रही है।बता दें कि शनिवार को एक विशेष अभियान के तहत दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की टीम ने डमी बम लेकर लाल किले में प्रवेश कर लिया। यह सुरक्षा व्यवस्था की एक सघन जांच प्रक्रिया थी, जिसे सुरक्षा तैयारियों की वास्तविकता परखने के उद्देश्य से अंजाम दिया गया था। स्पेशल सेल की टीम द्वारा डमी बम के साथ लाल किले परिसर में प्रवेश करना यह दर्शाता है कि मौजूदा सुरक्षा चक्र में कई स्तरों पर चूक हुई। इस लापरवाही को अत्यंत गंभीर मानते हुए उपायुक्त ने तत्काल कार्रवाई करते हुए ड्यूटी पर तैनात सात पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया।

गांव कटे, बिजली ठप, सड़कों पर पानी ही पानी... पूर्वांचल में बाढ़ से आफत, सात लाख घर उजड़े

लखनऊ। पूर्वांचल में बाढ़ की स्थिति विकराल होती जा रही है। बनारस व प्रयागराज में बाढ़ का और विस्तार कई नए इलाकों को अपनी चपेट में ले चुका है। हालात बिगड़ते जा रहे हैं। सात लाख से अधिक की आबादी बाढ़ से प्रभावित है। हजारों लोग बेघर हो चुके हैं।बाढ़ शिविरों में शरण लेने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। प्रयागराज में उफनाई गंगा और यमुना रविवार की अपेक्षा सोमवार को एक मीटर से ज्यादा बढ़ गईं और खतरे के निशान से करीब डेढ़ मीटर बह रही हैं। बनारस में भी खतरे के निशान से ऊपर बहती गंगा के जलस्तर में लगातार वृद्धि जारी है।इस बीच बारिश और बाढ़ के कारण हादसों में जान जाने का क्रम जारी है। सीतापुर में कच्ची दीवार ढहने से दो बहनों की मौत हो गई। हरदोई में भी कच्ची दीवार गिरने से एक मौत हो गई। वाराणसी में बाढ़ में डूबने से दो और बलिया में एक युवक की मौत हो गई। अमेठी में मकान ढहने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। आगरा में किबाड़ नदी में डूबने से दो बच्चों की मौत हो गई है। प्रयागराज में शहर की 62 बस्तियों तथा जिले के 290 गांवों के लगभग पांच लाख प्रभावित हैं। लगभग 60 हजार बाढ़ पीड़ित बेघर हो चुके हैं। कुल 19 बाढ़ राहत शिविरों में नौ हजार से ज्यादा प्रभावित लोग शरण ले चुके हैं। गंगा, यमुना और टोंस नदियों में 20 लाख क्यूसेक से ज्यादा पानी आ रहा है। इससे सोमवार शाम चार बजे गंगा का जलस्तर 86.11 मीटर तो यमुना का 86.12 मीटर पहुंच गया। लगभग 90 गांवों और मोहल्लों का संपर्क कट गया है। वाराणसी में बाढ़ ने शहर के अनेक क्षेत्रों में जिंदगी की गति रोक दी है। डेढ़ लाख से अधिक की आबादी बाढ़ से प्रभावित है। गंगा खतरे के निशान 71.26 मीटर से 83 सेमी ऊपर बह रही हैं। सभी विद्यालय छह अगस्त तक बंद कर दिए गए हैं। नमो घाट पर बने नमस्ते की मुद्रा के स्कल्पचर डूबने को हैं। असि घाट पर पानी सड़क तक आ पहुंचा है तो नगवां क्षेत्र में कालोनियों में पानी घुस चुका है। इन कालोनियों के लोगों ने पलायन कर सुरक्षित ठिकानों पर शरण ली है। लगभग पांच हजार लोग बाढ़ राहत शिविरों में पहुंचे हुए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में गंगा, वरुणा व गोमती का कहर विकराल होता जा रहा है। कई गांवों के संपर्क आपस में भंग हो चुके हैं। मीरजापुर के बिरोही गांव में तीन दिनों से छत पर फंसे परिवार को पुलिस ने नाव से सुरक्षित निकाला। मीरजापुर की सदर व चुनार तहसीलों के 300 गांव बाढ़ प्रभावित हैं। 50 गांवों का संपर्क टूट गया है। बिजली आपूर्ति ठप है और सड़कों पर पानी भर गया है।बलिया में सुरक्षा बांध का रेगुलेटर क्षतिग्रस्त होने से पानी का रिसाव हो रहा है। गाजीपुर में गंगा घाट डूब चुके हैं और चंदौली में फसलें जलमग्न हैं।

जाति-धर्म आधारित कार्रवाई पर सीएम योगी का एक्शन, पंचायती राज विभाग के संयुक्त निदेशक निलंबित

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पंचायती राज विभाग द्वारा जारी उस विवादास्पद आदेश पर सख्त नाराजगी जताई है, जिसमें ग्रामसभा की भूमि से अवैध कब्जा हटाने की कार्यवाही को जाति विशेष (यादव) और धर्म विशेष (मुस्लिम) से जोड़कर निर्देशित किया गया था। मुख्यमंत्री ने संबंधित आदेश को पूर्णतः भेदभावपूर्ण और अस्वीकार्य करार देते हुए उसे तत्काल प्रभाव से रद्द करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने इस मामले को गंभीर प्रशासनिक चूक मानते हुए संबंधित संयुक्त निदेशक एसएन सिंह को तत्काल निलंबित करने का आदेश दिया है। मुख्यमंत्री ने साफ शब्दों में कहा है कि इस प्रकार की भाषा और सोच न केवल शासन की नीतियों के विरुद्ध है, बल्कि समाज में विभाजन पैदा करने वाली है, जिसे किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री बढ़ाने के लिए नीति आयोग का रोडमैप, 2030 तक 30 प्रतिशत हिस्सेदारी का लक्ष्य

नईदिल्ली, 05 अगस्त [एजेंसी]।

नीति आयोग के मुताबिक इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री बढ़ाने के लिए सरकार पिछले 10 सालों में 40,000 करोड़ रुपए का इंसेंटिव दे चुकी है, फिर भी वाहनों की सालाना बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी सिर्फ 7.6 प्रतिशत ही पहुंची है।सरकार ने दस साल पहले वर्ष 2030 तक वाहनों की कुल बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी को 30 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य रखा था। यानी कि अब अगले पांच साल में इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी को 22 प्रतिशत तक बढ़ाना होगा जो आसान नहीं है। इस मुश्किल लक्ष्य को हासिल करने के लिए नीति आयोग ने सोमवार को रोडमैप जारी किया। आयोग का मानना है कि इस 22 प्रतिशत के लक्ष्य को हासिल करने पर भारत में 200 अरब डालर के कारोबार का विस्तार होगा जिससे बड़ी संख्या में रोजगार निकलेंगे।आयोग की सबसे प्रमुख सिफारिश है कि सरकार को अब इंसेंटिव का फार्मूला समाप्त कर अनिवार्यता का फार्मूला अपनाना चाहिए। आयोग ने इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीदारी के लिए लोन की उचित व्यवस्था के साथ ई-बस और ई-ट्रक के लिए अलग से कोरिडोर बनाने के लिए कहा है।वहीं, इलेक्ट्रिक वाहनों की लागत को कम करने के लिए बैट्री लीजिंग प्रणाली शुरू करने और सभी बैट्री का एक आधार या पासपोर्ट नंबर जारी करने की भी सिफारिश की गई है। इलेक्ट्रिक वाहनों में 40 प्रतिशत की लागत बैट्री की होती है। बैट्री को वाहन से अलग कर दिया जाए तो इसकी कीमत काफी कम हो जाएगी। उपभोक्ता बैट्री को एक निश्चित अवधि के लिए लीज पर लेकर अपने वाहन को चला सकेंगे। इस्तेमाल हो रही बैट्री की कीमत का सही मूल्यांकन के लिए सभी बैट्री का एक आधार या पासपोर्ट नंबर जारी करने के लिए कहा गया है ताकि यह पता लग सके कि कौन सी बैट्री कितनी चली है या उसकी कितनी क्षमता बची है और फिर उस आधार पर उसकी कीमत का सही आकलन हो सके।विज्ञान व तकनीकी विभाग की देखरेख में बैट्री आधार का एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया जा सकता है। आयोग ने सरकार को सार्वजनिक बस, सरकारी वाहन और शहरों में माल ढुलाई करने वाले वाहनों को अनिवार्य रूप से इलेक्ट्रिक के दायरे में लाने के लिए कहा है।

ट्रंप के टैरिफ पर भारत सरकार का करारा जवाब, रूस से तेल आयात पर खोली यूरोप-अमेरिका की पोल, साफ किया नहीं झुकेंगे

नईदिल्ली, 05 अगस्त [एजेंसी]।

25 फीसदी टैरिफ और रूस से तेल आयात करने के मुद्दे पर भारत सरकार ने अमेरिका को करारा जवाब दिया है। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि यूक्रेन संघर्ष शुरू होने के बाद से रूस से तेल आयात करने के कारण भारत, अमेरिका और यूरोपीय यूनियन के निशाने पर है। दरअसल, भारत ने रूस से आयात इसलिए शुरू किया क्योंकि संघर्ष शुरू होने के बाद पारंपरिक आपूर्ति यूरोप की ओर मोड़ दी गई थी। उस समय, अमेरिका ने ग्लोबल एनर्जी मार्केट की स्थिरता को मज़बूत करने के लिए भारत द्वारा इस तरह के आयात को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित किया था।विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत द्वारा रूस से तेल आयात करने का उद्देश्य भारतीय उपभोक्ताओं के लिए अनुमानित और किफायती ऊर्जा लागत सुनिश्चित करना है। भारत सरकार ने यह भी कहा कि रूस से तेल आयात करने पर भारत की आलोचना करने वाले देश स्वयं रूस के साथ व्यापार में शामिल हैं। 2024 में यूरोपीय संघ का रूस के साथ वस्तुओं का द्विपक्षीय व्यापार 67.5 अरब यूरो था। इसके अलावा, 2023 में सेवाओं का व्यापार 17.2 अरब यूरो होने का अनुमान है। यह उस वर्ष या उसके बाद रूस के साथ भारत के कुल व्यापार से काफ़ी ज़्यादा है। 2024 में यूरोपीय एलएनजी का आयात रिकॉर्ड 16.5 मिलियन टन तक पहुँच गया, जो 2022 के 15.21 मिलियन टन के पिछले रिकॉर्ड को पार कर गया। यूरोप-रूस व्यापार में न केवल ऊर्जा, बल्कि उर्वरक, खनन उत्पाद, रसायन, लोहा और इस्पात तथा मशीनरी और परिवहन उपकरण भी शामिल हैं। भारत सरकार ने कहा जहां तक अमेरिका का सवाल है, वह अपनी न्यूक्लियर इंडस्ट्री के लिए रूस से यूरेनियम हेक्साफ्लोराइड, अपने इलेक्ट्रॉनिक व्हीकल इंडस्टी के लिए पैलेडियम, उर्वरकों के साथ-साथ रसायनों का आयात जारी रखे हुए है।

मेरी जिंदगी तबाह कर दी, पुतिन की सीक्रेट बेटी की फिर हुई एंट्री

नई दिल्ली। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की कथित सीक्रेट बेटी की एक बार फिर से एंट्री हुई है। इस महिला ने पहली बार खुलकर अपनी बात रखी है और पुतिन की निंदा करते हुए कई खुलासे किए।22 साल की एलिजावेटी क्रिवोनोगिख, जिनको लुईजा रोजोवा के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने अपने टेलीग्राम चैनल पर पोस्ट करते हुए कहा कि इस इंसान ने उनकी जिंदगी बर्बाद कर दी। लुइजा ने लिखा, वह आदमी जिसने लाखों लोगों की जान ले ली और मेरी जिंदगी बर्बाद कर दी। उन्होंने आगे कहा, दुनिया को अपना चेहरा फिर से दिखा पाना आजादी की बात है। यह मुझे याद दिलाता है कि मैं कौन हूं और किसने मेरी जिंदगी बर्बाद कर दी। पहले लुइजा इंस्टाग्राम पर अपना चेहरा दिखाने से बचती थीं, लेकिन हाल ही में उन्होंने पूरी तस्वीरें पोस्ट करना शुरू कर दिया है।3 मार्च, 2003 को सेंट पीटर्सबर्ग में जन्मी लुइजा के बारे में माना जाता है कि वह पुतिन और उनकी पूर्व सफाईकर्मी स्वेतलाना क्रिवोनोगिख के बीच प्रेम संबंध का नतीजा हैं। खोजी प्रोजेक्ट प्रोएक्ट ने पहली बार 2020 में इस संबंध की सूचना दी थी।

शहर में चल रही थी पार्टी, अचानक होने लगी गोलीबारी, 2 लोगों की मौत व 6 घायल

लॉस एंजिल्स, 05 अगस्त [एजेंसी]।

लॉस एंजिल्स शहर में एक संगीत समारोह के बाद की पार्टी के दौरान सोमवार तड़के गोलीबारी हुई, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। अधिकारी नोर्मा आइजेनमैन ने बताया कि अधिकारियों ने रविवार रात करीब 11 बजे एक बड़ी पार्टी को बंद करने के लिए सबसे पहले कार्रवाई की, जब अधिकारियों ने शहर के एक गोदाम क्षेत्र में एक इमारत के अंदर एक व्यक्ति को संभवतः बंदूक से लैस देखा। उन्होंने बताया कि उस व्यक्ति को घटनास्थल पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। केटीएलए-टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, इस पार्टी को सोशल मीडिया पर हार्ड समर की आफ्टर-पार्टी के रूप में प्रचारित किया गया था, जो लगभग 14 किलोमीटर दूर इंगलवुड में हॉलीवुड पार्क में आयोजित एक सप्ताहांत तकनीकी-संगीत समारोह है।

अधिकारियों द्वारा इलाके को खाली करने के तुरंत बाद, पुलिस को लगभग 1 बजे गोलीबारी की सूचना मिली। आइज़ेनमैन ने एक ईमेल में बताया कि जब अधिकारी वापस लौटे, तो उन्होंने एक व्यक्ति को मृत पाया और कई लोगों को गोलियों से छलनी होने की जानकारी मिली।आइज़ेनमैन ने बताया कि एक पुरुष पीड़ित की घटनास्थल पर ही मौत हो गई और एक महिला की अस्पताल में मौत हो गई। उन्होंने बताया कि छह लोगों को अज्ञात हालत में अस्पताल ले जाया गया। किसी संदिग्ध की जानकारी नहीं मिली। जाँचकर्ता घंटों घटनास्थल पर मौजूद रहे।

हम रूस से तेल इसलिए खरीदते हैं क्योंकि..., ट्रंप की धमकी पर विदेश मंत्रालय का सीधा जवाब

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि वह रूसी तेल की खरीद को लेकर भारत पर टैरिफ में भारी वृद्धि करेंगे। अमेरिका की धमकी का भारत ने जवाब दिया है। भारत ने कहा कि अमेरिका की यह धमकी सही नहीं है।विदेश मंत्रालय ने बयान जारी करते हुए कहा कि रूस से कच्चे तेल की खरीद वैश्विक बाजार की स्थितियों के कारण एक आवश्यकता है। भारत रूस की राजनीति का समर्थन नहीं करता। विदेश मंत्रालय ने आगे कहा कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों और आर्थिक सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा।

मणिपुर ऑडियो क्लिप मामले में सुप्रीम कोर्ट सख्त, FSL रिपोर्ट में देरी पर जताई नाराजगी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर आडियो क्लिप मामले में एफएसएल रिपोर्ट दाखिल नहीं करने पर सोमवार को नाराजगी जताई। शीर्ष कोर्ट ने राज्य सरकार से सवाल किया कि उसने मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह की जातीय हिंसा में कथित भूमिका के संबंध में लीक हुए आडियो क्लिप्स की प्रामाणिकता पर नई फोरेंसिक रिपोर्ट को रिकार्ड पर क्यों नहीं रखा, जबकि इसके निर्देश दिए गए थे। जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने राज्य से पूछा, फोरेंसिक रिपोर्ट का क्या हुआ। यह तो आनी चाहिए थी। यह आदेश मई 2025 में पारित किया गया था। तीन महीने बीत चुके हैं, अब तक फोरेंसिक रिपोर्ट प्रयोगशाला ने आपको रिपोर्ट दे दी होगी। हमें बताएं कि रिपोर्ट आई है या यह अभी भी प्रक्रिया चल रही है।जब राज्य के वकील ने कहा कि एफएसएल रिपोर्ट नहीं आई है, तो पीठ ने कहा, एफएसएल को आवाज के विश्लेषण पर रिपोर्ट देने में कितना समय लगता है। यह अनंतकाल तक नहीं चल सकता। गौरतलब है कि बीरेन सिंह ने नौ फरवरी को मणिपुर के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था।

रूस के लिए लड़ रहे चीन, पाकिस्तान और अन्य देशों के भाड़े के सैनिक, जेलेंस्की का बड़ा दावा

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सोमवार को कहा कि उत्तर-पूर्वी यूक्रेन में यूक्रेनी सैनिक चीन, पाकिस्तान और अफ्रीका के कुछ हिस्सों सहित विभिन्न देशों के विदेशी भाड़े के सैनिकों से लड़ रहे हैं।साथ ही उन्होंने कहा कि इसका करारा जवाब देंगे। जेलेंस्की ने पहले मास्को पर यूक्रेन के खिलाफ युद्ध प्रयासों के लिए चीनी लड़ाकों की भर्ती करने का आरोप लगाया था, हालांकि बीजिंग ने इन आरोपों का खंडन किया था।उत्तर कोरिया ने भी रूस के कुर्स्क क्षेत्र में अपने हजारों सैनिक तैनात किए हैं। जेलेंस्की ने उत्तर-पूर्वी खार्कीव क्षेत्र के एक अग्रिम क्षेत्र का दौरा करने के बाद एक्स पर लिखा कि हमने कमांडरों से अग्रिम मोर्चे की स्थिति, वोवचांस्क की रक्षा और युद्ध की गतिशीलता के बारे में बात की।इस क्षेत्र में हमारे योद्धा चीन, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, पाकिस्तान और अफ्रीकी देशों के भाड़े के सैनिकों की भागीदारी की सूचना दे रहे हैं। रूस ने जेलेंस्की के दावे पर कोई टिप्पणी नहीं की है। इस बीच, यूक्रेन ने सेना के लिए ड्रोन और जैमिंग उपकरणों की खरीद में गबन के लिए एक सांसद और एक सरकारी अधिकारी सहित छह पर आरोप लगाया है। यूक्रेन ने दावा किया है कि रूस के कब्जे वाले क्रीमिया पर रात भर ड्रोन हमले में एक रूसी लड़ाकू विमान पूरी तरह नष्ट हो गया और चार अन्य विमानों को क्षति पहुंची है।

अगर आप सच्चे भारतीय हैं, तो ऐसी बात नहीं कहेंगे सुप्रीम कोट से राहुल को फटकार, सिंघवी ने रखी दलीलें

नईदिल्ली, 05 अगस्त [एजेंसी]।

सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी को गैरजिम्मेदाराना बयानों और टिप्पणियों के लिए सोमवार को आड़े हाथों लिया और सच्चे भारतीय होने तक की नसीहत दे डाली। कोर्ट ने सेना पर की गई टिप्पणियों के मामले में निचली अदालत से जारी समन और लंबित केस को चुनौती देने वाली राहुल गांधी की याचिका पर सुनवाई के दौरान उनसे कई कड़े सवाल किए। कोर्ट ने पूछा कि आपको कैसे पता चला कि भारतीय जमीन पर चीन ने कब्जा कर लिया है। बिना किसी सामग्री के आपने इस तरह का बयान क्यों दिया। अगर आप सच्चे भारतीय हैं, तो इस तरह की बात नहीं कहेंगे।कोर्ट ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता को सीख देते हुए यह भी कहा कि आप नेता विपक्ष हैं। आप संसद में ऐसे मुद्दे क्यों नहीं उठाते। आप इंटरनेट मीडिया पर ये सब क्यों कहते हैं। हालांकि इसके साथ ही कोर्ट ने राहुल गांधी की याचिका पर मूल शिकायतकर्ता और उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी करते हुए निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगा दी। ये तीखी टिप्पणियां और आदेश न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता व न्यायमूर्ति एजी मसीह की पीठ ने राहुल गांधी की याचिका पर सुनवाई के दौरान दिए। राहुल गांधी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दी है। हाई कोर्ट ने निचली अदालत में लंबित कार्यवाही और जारी समन को रद करने की मांग खारिज कर दी थी। यह मामला दिसंबर 2022 में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी के सेना के बारे में दिए गए बयान से जुड़ा है। सोमवार को मामले पर सुनवाई के दौरान जब राहुल गांधी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने निचली अदालत में दाखिल शिकायत पर अदालत द्वारा संज्ञान लिए जाने और समन जारी करने पर सवाल उठाए तो सुनवाई कर रही पीठ ने कई कड़े सवाल पूछे।कोर्ट ने पूछा कि उन्हें यह जानकारी कैसे मिली कि चीन ने भारत के क्षेत्राधिकार वाली 2000 वर्ग किलोमीटर जमीन पर कब्जा कर लिया है। क्या वह वहां थे। क्या उनके पास इस संबंध में कोई विश्वसनीय सामग्री है। जब आपके पास इस संबंध में कोई सामग्री नहीं है, तो फिर आप ऐसा बयान कैसे दे सकते हैं। अगर आप सच्चे भारतीय हैं, तो ऐसी बात नहीं कहेंगे।कोर्ट के इन सवालों पर सिंघवी ने कहा कि अगर नेता विपक्ष ये मुद्दे नहीं उठा सकते तो ये दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति होगी। सिंघवी ने कहा कि जो चीजें मीडिया में छपी हैं, अगर वह ये बातें नहीं कह सकते तो वह नेता विपक्ष नहीं हो सकते। सिंघवी ने सच्चे भारतीय होने की टिप्पणी का जवाब देते हुए कहा कि यह भी संभव है कि सच्चा भारतीय ये कहे कि हमारे 20 भारतीय सैनिकों को पीटा गया है और मार डाला गया है, यह भी चिंता का विषय है।

उनकी इन दलीलों पर कोर्ट ने कहा कि जब सीमा पर संघर्ष होता है, तो क्या दोनों पक्षों में हताहत होना असामान्य है।जब सीमा पर संघर्ष होता है तो क्या आप ये सब कह सकते हैं। आप संसद में सवाल क्यों नहीं पूछ सकते। सिर्फ इसलिए कि आपके पास 19(1)(ए) (अभिव्यक्ति की आजादी) है तो आप कुछ भी कह सकते हैं। सिंघवी ने कहा कि राहुल गांधी सिर्फ उचित जानकारी का मुद्दा उठा रहे थे और सूचना को दबाने पर चिंता जता रहे थे।पीठ ने कहा कि एक जिम्मेदार नेता होने और नेता विपक्ष होने के नाते उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए था, क्योंकि ऐसे सवाल उठाने के लिए एक उचित मंच मौजूद है। सिंघवी ने कहा कि लेकिन इस मामले में की गई शिकायत सिर्फ उन्हें परेशान करने के लिए है। ये टिप्पणियां किसी तीसरे पक्ष के लिए मानहानि का मुकदमा दाखिल करने का आधार नहीं हो सकती।सिंघवी ने निचली अदालत की कार्यवाही और हाई कोर्ट के आदेश का विरोध किया।

वजन घटाने के लिए बेहद प्रभावी है घर के अंदर साइकिल चलाना, मिलते हैं ये फायदे

स्पिन एक ऐसी एक्सरसाइज है, जो न केवल शरीर को फिट रखती है, बल्कि वजन घटाने में भी मदद करती है। यह तेज गति वाली कार्डियो एक्सरसाइज है, जिसमें घर के अंदर ही साइकिल चलाना शामिल होता है। इस एक्सरसाइज की मदद से ऊर्जा बढ़ जाती है और कैलोरी जलाने में भी मदद मिलती है। इस लेख में हम आपको स्पिन एक्सरसाइज के 5 प्रमुख फायदों के बारे में बताएंगे, जो वजन घटाने की यात्रा को आसान बना देंगे।

कैलोरी जलाने में है मददगार

स्पिन एक्सरसाइज की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह जल्दी कैलोरी जलाने में मदद करती है। एक घंटे का स्पिन सत्र लगभग 500-700 कैलोरी तक जला सकता है, जो अन्य कार्डियो एक्सरसाइज की तुलना में बहुत ज्यादा है। इससे आपका वजन घटाने का लक्ष्य जल्दी पूरा हो सकता है और आपको परिणाम भी जल्दी दिख सकते हैं। नियमित स्पिन सत्र से ऊर्जा खपत भी तेज हो जाती है, जिससे शरीर की चर्बी कम होती है।

ऊर्जा खपत को करती है तेज

स्पिन एक्सरसाइज आपकी ऊर्जा खपत को तेज करने में मदद कर सकती है। जब ऊर्जा खपत तेज होती है तो आपका शरीर आराम करते समय भी कैलोरी जलाता रहता है। इससे वजन घटाने में मदद मिलती है और अतिरिक्त चर्बी जलाना भी आसान हो जाता है। इसके अलावा, तेज ऊर्जा खपत से ऊर्जा स्तर भी बढ़ता है, जिससे आप अन्य एक्सरसाइज भी बेहतर तरीके से कर सकते हैं और आपकी फिटनेस में सुधार हो सकता है।

हृदय स्वास्थ्य के लिए है फायदेमंद

स्पिन एक्सरसाइज दिल की सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होती है। यह आपके दिल की धड़कन को बढ़ाती है और रक्त संचार को बेहतर बनाती है। नियमित रूप से स्पिन एक्सरसाइज करने से उच्च रक्तचाप का खतरा कम होता है और दिल की बीमारियों से बचाव होता है। इसके अलावा, यह एक्सरसाइज आपके कोलेस्ट्रॉल के स्तर को भी संतुलित रखती है, जिससे दिल स्वस्थ रहता है और आप लंबे समय तक सक्रिय रह सकते हैं।

मानसिक तनाव होता है कम

वजन घटाने के अलावा, स्पिन एक्सरसाइज मानसिक तनाव को भी कम करती है। इससे शरीर में अच्छे हार्मोन उत्पन्न होते हैं, जो मूड को बेहतर बनाते हैं और तनाव घटाते हैं। इससे न केवल आपका शरीर सेहतमंद रहता है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य भी बेहतर होता है। स्पिन करते समय ध्यान केंद्रित करने की जरूरत होती है, जिससे मानसिक शांति मिलती है और आप ज्यादा सकारात्मक महसूस कर सकते हैं। नियमित रूप से स्पिन करने से आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

मांसपेशियों को मजबूत बनाने में है सहायक

स्पिन एक्सरसाइज के लाभ सिर्फ चर्बी जलाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह मांसपेशियों को भी मजबूत बनाती है। साइकिल चलाते समय पैरों की मांसपेशियां सक्रिय होती हैं, जिससे उनकी मजबूती बढ़ती है।

इसके अलावा, हाथों और पीठ की मांसपेशियां भी मजबूत होती हैं। इस प्रकार स्पिन एक्सरसाइज कई तरीकों से वजन घटाने में मददगार साबित हो सकती है।

अगर आप भी अपने फिटनेस लक्ष्य प्राप्त करना चाहते हैं तो इस एक्सरसाइज को अपनाएं और स्वस्थ जीवन जिएं।

टीवी की बहू का ग्लैमरस अवतार देख फटी रह जाएंगी आंखें

राजन शाही का शो ये रिश्ता क्या कहलाता है पिछले कई सालों से दर्शकों का फेवरेट बना हुआ है. हाल ही में शो की पूरी स्टारकास टेली इंडिया अवार्ड्स में पहुंचीं और इस दौरान अभिरा यानी समृद्धि शुक्ला ने अपने ग्लैमरस अवतार से फैंस के होश उड़ा दिए. इन तस्वीरों में एक्ट्रेस समृद्धि शुक्ला पिंक कलर का ऑफ शॉल्डर गाउन पहनें दिख रही हैं. फोटो में वह अपना क्लीवेज जमकर फ्लॉन्ट कर रही हैं और अपनी कमर पर हाथ रखकर शानदार अंदाज में पोज दे रही हैं. इस फोटो में अभिरा यानी समृद्धि शुक्ला स्टाइल मारते हुए पोज दे रही हैं. फोटो में वह इस स्लिट गाउन में अपने टोन्ड लेग्स भी जमकर फ्लॉन्ट कर रही हैं. एक्ट्रेस की यह तस्वीरें आते ही छा गई हैं. इन तस्वीरों को पोस्ट करते हुए एक्ट्रेस समृद्धि शुक्ला ने कैप्शन में लिखा, क्वीन एनर्जी ऑन्ली, मुझे सपने की तरह बनाने के लिए आपका शुक्रिया. समृद्धि के इस पोस्ट पर लोग खूब कमेंट कर रहे हैं और अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं. एक्ट्रेस समृद्धि शुक्ला की इन तस्वीरों पर लोग खूब कमेंट कर रहे हैं और अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं.

घर पर चाकू को तेज करने के लिए अपनाएं ये आसान तरीके

रसोई के कामों के लिए एक तेज धार वाला चाकू बहुत जरूरी होता है। हालांकि, समय के साथ चाकू की धार कम हो जाती है, जिससे काटने में दिक्कत होती है। ऐसे में चाकू की धार फिर से तेज करने के लिए आप कुछ आसान और प्रभावी तरीके अपना सकते हैं। इन तरीकों से आप अपने चाकू को बिना किसी परेशानी के घर पर ही तेज कर सकते हैं। आइए इनके बारे में जानते हैं। कांच की बोतल से चाकू तेज करना एक आसान और सुरक्षित तरीका है। इसके लिए सबसे पहले एक खाली कांच की बोतल लें और उसे उल्टा करके उसके तले को चाकू से रगड़ें। इससे चाकू की धार वापस आ जाएगी। ध्यान रहें कि बोतल को मजबूती से पकड़ें ताकि वह टूट न जाए। इस तरीके से आप बिना किसी खतरे के अपने चाकू को आसानी से तेज कर सकते हैं। टाइल्स का इस्तेमाल करके भी चाकू को आसानी से तेज किया जा सकता है। इसके लिए किसी पुरानी टाइल को लें और उसके खुरदरे हिस्से पर चाकू को कुछ मिनट रगड़ें। इससे चाकू की धार वापस आ जाएगी। ध्यान रखें कि टाइल्स को मजबूती से पकड़ें ताकि वे फिसल न जाएं। इस तरीके से आप बिना किसी उपकरण के अपने चाकू को घर पर ही आसानी से तेज कर सकते हैं। सैंडपेपर एक ऐसा सामग्री है, जिसका उपयोग करके भी चाकू की धार तेज की जा सकती है। इसे इस्तेमाल करने के लिए सैंडपेपर को एक समतल सतह पर रखें और चाकू को उसके ऊपर हल्के हाथों से रगड़ें। इससे चाकू की धार वापस आ जाएगी। इस तरीके से आप बिना किसी उपकरण के अपने चाकू को घर पर ही आसानी से तेज कर सकते हैं और उसे लंबे समय तक उपयोग में ला सकते हैं। पत्थर का उपयोग करके भी आप अपने चाकू की धार को तेज कर सकते हैं। इसके लिए आपको एक साफ और सूखा पत्थर चाहिए होगा, जिसे आप चाकू की धार वाली तरफ से हल्के हाथों से ऊपर-नीचे करें।

दृश्यम 3 पर आया खास अपडेट, तब्बू और अक्षय खन्ना फिर खाकी वर्दी में दिखाएंगे दम

अजय देवगन को पिछली बार फिल्म रेड 2 में देखा गया था, जो बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी। आने वाले दिनों में वह एक से बढ़कर एक फिल्मों में नजर आएंगे। उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक दृश्यम 3 भी है। अजय तो पहले ही फिल्म के तीसरे भाग पर अपनी मोहर लगा चुके हैं और पिछले कुछ समय से वह इसी फिल्म की तैयारी में लगे हुए हैं। अब इससे जुड़ीं कुछ नई जानकारियां बाहर आई हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, दृश्यम और दृश्यम 2 की जबरदस्त सफलता के बाद अब एक बार फिर खाकी वर्दी में अपना दमखम दिखाएंगे। निर्माता-निर्देशक अभिषेक पाठक ने हाल ही में अक्षय खन्ना और तब्बू से मुलाकात की और उनके साथ दृश्यम 3 पर चर्चा की। दोनों कलाकार फिल्म की पटकथा की से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने इसके लिए हामी भरने में देर नहीं लगाई। जल्द ही अक्षय और तब्बू ये फिल्म भी साइन कर लेंगे।

सूत्र ने बताया कि काफी हद तक संभव है कि दृश्यम 3 इस फ्रेंचाइजी की आखिरी फिल्म होगी। इसकी रिलीज के साथ ही इस क्राइम थ्रिलर फिल्म सीरीज का सफर खत्म हो जाएगा। यह अजय, तब्बू और अक्षय इन तीनों कलाकारों के किरदारों के इर्द-गिर्द घूमेगी। फिल्म की कहानी वहीं से शुरू होगी, जहां दूसरा भाग खत्म हुआ था। ऐसे में पूरी उम्मीद है कि अभिनेत्री श्रिया सरन भी दृश्यम की दुनिया में वापसी करेंगी। साल 2022 में अजय दृश्यम 2 लेकर आए थे, जो उनके करियर की सबसे कमाऊ फिल्मों में से एक बनी। 50 करोड़ रुपये इस फिल्म का बजट था और इसने 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया था। इससे पहले साल 2015 में आई उनकी फिल्म दृश्यम ने भी बढ़िया कमाई की थी। दृश्यम का निर्देशन जहां निशिकांत कामत ने किया था, वहीं दूसरे भाग के निर्देशन की जिम्मेदारी अभिषेक पाठक पर थी, जो तीसरे भाग के निर्देशक भी हैं। अक्षय को पिछली बार फिल्म छावा में देखा गया था, जिसमें उन्होंने औरंगजेब का किरदार निभाया था। फिल्म में अक्षय के अभिनय को दर्शकों से खूब सराहना मिली। अब वह फिल्म धुरंधर में नजर आएंगे, जिसमें रणवीर सिंह मुख्य भूमिका में हैं। दूसरी ओर तब्बू पिछली बार हाउसफुल 5 में कैमियो करती दिखी थीं। अब उन्हें अक्षय कुमार और परेश रावल के साथ हॉरर कॉमेडी फिल्म भूत बंगला में देखा जाएगा।

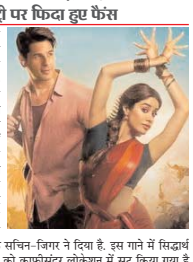

परम सुंदरी का पहला गाना परदेसिया रिलीज रिलीज़, सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर की केमिस्ट्री पर फिदा हुए फैंस

जान्हवी कपूर और सिद्धार्थ मल्होत्रा पिछले काफी समय से अपनी अपकमिंग फिल्म परम सुंदरी को लेकर चर्चा में बने हुए हैं. जब से फिल्म का टीजररिलीज किया गया था, तब से ही फैंस इसे लेकर काफी एक्साइटेड हैं. पहले ये फिल्म 25 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिनकिसी वजह से ऐसा नहीं हो पाया. अब मेकर्स ने फिल्म का पहला गाना 'परदेसिया' रिलीज कर दिया है. इसके साथ ही फिल्म की नई रिलीज डेट से भी पर्दा उठ गया है. बता दें, फिल्ममें जान्हवी साउथ इंडियन सुंदरी बनी हैं, तो वहीं सिद्धार्थ नॉर्थ इंडियन परम के रोल में नजर आएंगे. फिल्म 'परम सुंदरी' का नया गाना 'परदेसिया' सोनू निगम ने गाया है. सिंगर 30 जुलाई को अपना 52वां जन्मदिन मना रहे हैं और इस मौके पर उनकेगाने को रिलीज किया गया है. सोनू के साथ इस गाने को कृष्णकली साहा और सचिन-जिगर ने अपनी आवाज दी है. इसके लिरिक्स अमिताभभट्टाचार्य ने लिखे हैं और म्यूजिक सचिन-जिगर ने दिया है. इस गाने में सिद्धार्थ और जाह्नवी कपूर की केमिस्ट्री कमाल लग रही है. इस गानों को काफीसुंदर लोकेशन में सूट किया गया है और जान्हवी और सिद्धार्थ का लुक भी इसमें बेहद अच्छा लग रहा है. गाने में सूथिंग वॉइस के लोग दीवाने हो रहे हैं. बता दें कि, 'परम सुंदरी' 29 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है. इसकी कहानी की बात करें तो फिल्म में जान्हवी कपूर साउथ इंडियन सुंदरी बनी हैं, तो वहीं सिद्धार्थ मल्होत्रा नॉर्थ इंडियन परम के रोल में नजर आएंगे.ये एक इंटर-कल्चरल लव स्टोरी है.

अनुपमा परमेश्वरन ने जानकी के लिए जताया आभार

मलयालम फिल्म इंडस्ट्री की फेमस अभिनेत्री अनुपमा परमेश्वरन की फिल्म जानकी वी बनाम स्टेट ऑफ केरल हाल ही में रिलीज हुई थी। दर्शकों ने फिल्म में उनकी एक्टिंग की खूब प्रशंसा की, इस पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए अभिनेत्री ने फैंस के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें इतना प्यार और अपनापन मिलने की उम्मीद नहीं थी। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के कुछ सीन की तस्वीरें पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा, जानकी फिल्म रिलीज हुई और मैं बस आप सबका धन्यवाद कहना चाहती हूं। कुछ समय बाद मलयालम सिनेमा में लौटने पर, मुझे इतना प्यार और अपनापन मिलेगा, ये उम्मीद नहीं थी। आप सबका मेरे किरदार के लिए जो प्यार है, उसने मेरे दिल को छू लिया। अभिनेत्री ने बताया कि वह दर्शकों द्वारा लिखे गए सभी प्यार भरे मैसेज, रिव्यू और बातें पढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि जानकी के बारे में हर एक शब्द पढ़ना, जिससे पता चलता है कि दर्शकों को कैसा महसूस हुआ, उनके लिए बहुत खास है। उन्होंने कहा, धन्यवाद कि आपने जानकी को समझा और उसके जरिए मुझे भी देखा। साथ ही अभिनेत्री ने अपने निर्देशक प्रवीन नारायणन का भी धन्यवाद किया, जिन्होंने उन पर जानकी का किरदार निभाने का भरोसा किया और उन्हें पूरी तरह से उस किरदार में जीने का मौका दिया। अभिनेत्री ने कहा, यह सफर मेरे लिए बहुत खास रहा है और इसे मैं हमेशा अपने साथ रखूंगी। उन्होंने आगे कहा, आने वाले समय में भी कई ऐसी कहानियां, किरदार और जुड़ाव हों। मैं प्यार के साथ आभार महसूस करती हूं। बता दें, फिल्म जानकी वी बनाम स्टेट ऑफ केरल 17 जुलाई 2025 को रिलीज हुई थी। यह एक अपराध और कोर्टरूम ड्रामा है।

शब्द सामर्थ्य -130

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. घुमाव-फिराव वाला, आड़ा-तिरछा, जो कठिन हो 3. कुशलता, दक्षता, विशेषज्ञता 6. लोग, प्रजा 7. सीता, जनकनंदनी 9. सुंदर, कामना करने योग्य 10. क्रोधपूर्वक बोलने को उद्यत होना, जोश में आना, क्रोधातिरेक में चेहरे का लाल होना 13. अधीनता, मातहती, वश 14. दबाव, भार, वजन 16. हद, मर्यादा 18. प्रमाण-पत्र, प्रमाणिक कथन या बात 19. पछताना (मुहा.) 21. अनुचित मिश्रण, मिलावट 22. विफल, बेहोश, बौखलाया हुआ।

ऊपर से नीचे

1. सहारा, आश्रय, प्रतिज्ञा, संकल्प 2. परिश्रम 4. रात, रात्रि, निशा 5. पुत्र, बेटा 8. मूल्य, दाम 9. कपड़े का मोटा परदा 11. संदेश भेजना, उच्चारण कराना, कहलवाना 12. मृतकों को जीवित और रोगियों को स्वस्थ कर देने वाला व्यक्ति, प्रेमपात्र की संज्ञा 14. देने की क्रिया, खैरात 5. कुमार्गी, दुराचारी 17. मस्तक, माथा, ललाट 18. प्रश्न, समस्या 20. सहायता, सहारा 21. पशुओं को खिलाने वाली हरी पत्तियां, तृण, तिनका।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 129 का हल

ज	द्दो	जे	ह	द		स	पू	त
ल		ब	ल	वा	न			द
म	ह	क		खा	म	खां		बी
ग्न		त	ल	ना		स	फ	र
	म	रा				ना	टा	
	हि		स				फ	न
	ला	ज	वा	ब		म	ट	र
मां		ग		सं	त	ति		भ
	मा	त	ह	त			प	क्षी

द गर्लफ्रेंड का फर्स्ट सिंगल हुई रे म्यूजिक वीडियो रिलीज, रश्मिका मंदाना-दीक्षित शेट्टी के बीच दिखी जबरदस्त केमिस्ट्री

रश्मिका मंदाना आगामी फिल्म द गर्लफ्रेंड के मेकर्स ने फिल्म का पहला सिंगल सॉन्ग हुई रे रिलीज कर दिया है. इसे पांच अलग-अलग भाषाओं में रिलीज किया गया है. इससे पहले, रश्मिका और फिल्म की टीम ने अपने सोशल मीडिया पर एक खास प्रोमो साझा करके रिलीज की तारीख का खुलासा किया था.

गीता आर्ट ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) हैंडल पर द गर्लफ्रेंड का पहला सिंगल सॉन्ग का लिंक शेयर किया है और कैप्शन में लिखा है, एक धुन जो आपको उत्साहित कर दे. एक गाना जो आपके दिल को उड़ान दे. द गर्लफ्रेंड का पहला सिंगल म्यूजिक वीडियो अब रिलीज हो गया है.

मेकर्स ने इस गाने को 5 भाषाओं तेलुगु, हिंदी, मलयालम, कन्नड़ और तमिल रिलीज किया है. पोस्ट साझा किए जाने के तुरंत बाद, कई फैंस ने गाने के प्रति अपना प्यार बरसाया है. फैंस ने कमेंट सेक्शन को कई दिल के इमोटिकॉन्स से भर दिया है.

हुई रे गाने की बात करें तो इसमें कमाल की सिनेमैटोग्राफी की गई है. इसमें मधुर धुन के साथ रश्मिका मंदाना और उनके सह-कलाकार दीक्षित शेट्टी के बीच की जबरदस्त केमिस्ट्री देखने को मिली है. यह गाना एक दिल को छू लेने वाला रोमांटिक गाना है जो द गर्लफ्रेंड के इमोशन को पूरी तरह से दर्शाता है. रश्मिका ने भी अपने गाने को इंस्टाग्राम पर साझा किया है और कैप्शन में लिखा है, पहली बार सुनते ही, इसमें कुछ ऐसा था जो मेरे जेहन में बस गया. यह सॉफ्ट है, इमोशनल है, यह उस तरह का राग है जिसे आप अनजाने में गुनगुनाते हैं और अब यह आपका है. मुझे याद है जब हम इसकी शूटिंग कर रहे थे, तो मुझे ऐसा लग रहा था जैसे मैं फिल्म के अंदर एक छोटी सी फिल्म हूं. हर फ्रेम समय में जमे हुए एक पल जैसा लग रहा था. मुझे बताइए कि क्या यह आपके दिल को थोड़ा भरा हुआ महसूस कराता है. दिसंबर 2024 में रिलीज हुए फिल्म के टीजर ने दर्शकों को रश्मिका के किरदार की दुनिया से परिचित कराया, जिसमें कॉलेज के दौरान उनके प्रेम जीवन पर ध्यान केंद्रित किया गया था. हालांकि पूरी कहानी अभी गुप्त रखी गई है. द गर्लफ्रेंड को गीता आर्ट्स और धीरज मोगिलिनेनी एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाया गया है. फिल्म में रश्मिका मंदाना, दीक्षित शेट्टी, राव रमेश, रोहिणी और अन्य कलाकार शामिल हैं. फिल्म को राहुल रवींद्रन ने डायरेक्ट किया है.

रेत माफिया का आतंकः अलकासरई में धड़ल्ले से अवैध खनन, प्रशासन मौन

कोरिया बैकुंठपुर। कोरिया जिले के ग्राम पंचायत अलकासरई में रेत माफियाओं का खेल खुलेआम चल रहा है, और हैरानी की बात यह है कि वन विभाग एवं राजस्व विभाग केवल मूक दर्शक बने हुए हैं। प्रतिदिन 10 से 12 बालू की अवैध निकासी 4 सौ सात गाडी से की जा रही है, जिससे न केवल सरकारी राजस्व को भारी नुकसान हो रहा है, बल्कि स्थानीय पर्यावरण भी बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, रेत का यह अवैध व्यापार महंगे दामों में बिक्री कर माफियाओं को मोटा मुनाफा दे रहा है, जबकि पंचायत एवं राजस्व विभाग को इसकी भनक तक नहीं लग रही—या वे जानबूझकर नजरअंदाज कर रहे हैं। आशंका है कि इस पूरे नेटवर्क में कई रसूखदार लोग शामिल हैं, जो प्रशासन की आंखों में धूल झोंककर खुलेआम नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। रेत माफिया का यह गैरकानूनी साम्राज्य पर्यावरणीय विनाश के साथ-साथ नदी और आसपास की भूमि को भी नुकसान पहुँचा रहा है। ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है, परंतु प्रशासन की चुप्पी कई सवाल खड़े करती है।

क्या वन विभाग और राजस्व विभाग की निष्क्रियता किसी मिलीभगत की ओर इशारा करती है? और क्या रेत माफिया के इस धंधे पर कभी लगाम लगेगी? अब देखना यह होगा कि शासन-प्रशासन इस गम्भीर मुद्दे पर कब और क्या कार्रवाई करता है।

अवैध रेत परिवहन पर शिकंजा- अवैध परिवहन में लिप्त दो वाहन जब्त

कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के निर्देश पर जिला खनिज विभाग ने अवैध रेत परिवहन के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए बैकुण्ठपुर तहसील क्षेत्र में दो मिनी ट्रकों को जप्त किया है। यह वाहन बिना वैध दस्तावेजों के गौण खनिज रेत का परिवहन करते पाए गए। खनिज विभाग की टीम द्वारा चलाए जा रहे सघन गश्त के दौरान यह दोनों वाहन पकड़े गए। उन्हें मौके पर ही जब्त कर समीप के चरचा थाने में अभिरक्षा में रखा गया है। सीजी 15 डीएच 0617 - मिनी ट्रक, वाहन मालिक स्माइल खान, सीजी 16 सीएच 4324, मिनी ट्रक, वाहन मालिक सुरेश सिंह हैं। खनिज अधिकारी ने बताया कि इन मामलों में छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 की धारा 71 तथा खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 से 23(ख) के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर कानूनी कार्यवाही की जा रही है। जिला खनिज अधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण की गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए लगातार निगरानी और कार्रवाई जारी है। भविष्य में भी ऐसी गतिविधियों में लिप्त पाए जाने पर कठोर कदम उठाए जाएंगे।

विश्व हिन्दू परिषद जिला उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी जशु केशरी को

रामनुजगंज। विश्व हिन्दू परिषद के जिला उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी नगर के वार्ड क्रमांक 11 निवासी जशु केशरी को दी गई। विगत दिनों तीन दिवसीय प्रांत बैठक का आयोजन झूलेलाल मंगलम में बिलासपुर में 1 अगस्त से 3 अगस्त तक केंद्रीय अधिकारी एवं प्रांत मंत्री विभूति भूषण पांडे के अध्यक्षता में किया गया था, बैठक में छत्तीसगढ़ के सभी जिला एवं विभाग के पदाधिकारी उपस्थित थे जिसमे बलरामपुर रामानुजगंज जिले के संगठन के लिए जशु केशरी जिला उपाध्यक्ष का दायित्व सौंपा। जशु केशरी ने बताया कि वो विगत 6 वर्षों से बजरंगदल के जिले के संयोजक का पद भार संभाल चुके है और इस बार प्रदेश संगठन ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौपी है उसका वो पूरी निष्ठा से निर्वहन करेंगे । श्री केसरी के नेतृत्व में बजरंग दल बलरामपुर रामानुजगंज जिले में प्रभावकारी उपस्थित दर्ज कराते हुए अपने कार्यों से पहचान बनाई है। जशु केसरी के नेतृत्व में कई बड़े-बड़े आयोजन बजरंग दल के द्वारा किए गए थे।

अंतिम सावन सोमवार पर शिवभक्तों की उमड़ी भीड़, श्रद्धा और उल्लास से गूंजा थाना परिसर

कोरिया बैकुंठपुर। सावन माह के अंतिम सोमवार को शिवपुर चर्चा थाना परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। श्रद्धालु भक्तों ने बड़े हर्ष और उल्लास के साथ भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर जलाभिषेक किया तथा सुख-समृद्धि की कामना की। थाना परिसर में थाना प्रभारी प्रमोद पांडेय एवं समस्त पुलिस स्टाफ ने सामूहिक रूप से भगवान शिव का पूजन कर श्रद्धापूर्वक जलाभिषेक किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी उपस्थित रहे। भक्तों ने भगवान से अपने जीवन के सुख-दुख दूर करने और मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए प्रार्थना की। इसी क्रम में चर्चा बस स्टैंड पर भी भक्तों ने शिवजी का विधिवत पूजन एवं जलाभिषेक किया। कार्यक्रम के बाद वहां महाप्रसाद का वितरण किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने पूरे भक्ति भाव से भाग लिया। पूरे आयोजन में भक्तों के चेहरों पर आस्था और भक्ति का उजास देखने को मिला। सावन के अंतिम सोमवार पर इस प्रकार की धार्मिक गतिविधियों ने क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना दिया।

किशोरी को अगवा किया, आरोपी लखनऊ से गिरफ्तार

सूरजपुर। प्रेमनगर थाना क्षेत्र अन्तर्गत एक व्यक्ति ने थाना प्रेमनगर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसकी नाबालिक पुत्री घर से परीक्षा देने गई थी जो वापस नहीं लौटी है जिसकी काफी खोजबीन करने पर नहीं मिली, किसी अज्ञात आरोपी के द्वारा बहला फुसलाकर भगाकर ले गया है। सूचना पर थाना प्रेमनगर में गुम इंसान कायमी उपरान्त अपहरण की धारा 137(2) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने महिला एवं बच्चों के विरूद्ध अपराध पर संवेदनशील होकर शीघ्रता से कार्यवाही करते हुए अपहृत को दस्तयाब करने के निर्देश दिए थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व एसडीओपी प्रेमनगर नरेन्द्र सिंह पुजारी के मार्गदर्शन में थाना प्रेमनगर पुलिस के द्वारा अपहृत बालिका की लगातार पतासाजी करने के दौरान तकनीक की मदद ली गई जिससे ज्ञात हुआ कि वर्तमान में अपहृता लखनऊ उत्तरप्रदेश में है जिसके बाद पुलिस टीम विधिवत् लखनऊ के लिए रवाना हुई और गहन पतासाजी करते हुए आरोपी साहिल उर्फ अमन उम्र 22 वर्ष निवासी लखनऊ उत्तरप्रदेश के कब्जे से अपहृत बालिका को दस्तयाब कर वापस लाया गया। मामले की विवेचना में पृथक से 65(1), 87 बीएनएस व पास्को एक्ट की धारा 6 जोड़ी जाकर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी प्रेमनगर विराट विशी, एएसआई रंजीत सोनवानी, प्रधान आरक्षक विनय किस्पोट्टा, आरक्षक रौशन सिंह, नागेन्द्र प्रसाद राजवाड़े, बृजेश काशी, महिला आरक्षक सिंधू कुजूर, अंजू सिंह सक्रिय रहे।

स्वास्थ्य विभाग का काम सिर्फ इलाज करना नहीं है, बल्कि बीमारी से पहले उसकी रोकथाम करना भी हैः स्वास्थ्य मंत्री

चिरमिरी। छत्तीसगढ़ में खाद्य सुरक्षा और जनस्वास्थ्य को लेकर एक ऐतिहासिक पहल के तहत आज से तीन दिवसीय विशेष अभियान बने खाबो - बने रहिबो (अच्छा खाओ, स्वस्थ रहो) की शुरुआत हुई। यह अभियान 4 से 6 अगस्त तक चलेगा, जिसका संचालन खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग और लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा किया जा रहा है।

अभियान का शुभारंभ स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल द्वारा चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला को हरी झंडी दिखाकर किया गया। यह चलित प्रयोगशाला राज्य के 33 जिलों में घूम-घूम कर आमजन को गुणवत्ता पूर्ण भोजन और मिलावटी भोजन के प्रति लोगों को जागरूक करेगी तथा खाद्य सामग्री की मौके पर जांच करेगी, जिससे मिलावट के मामलों की तत्काल पहचान संभव होगी। स्वास्थ्य मंत्री ने सभी नागरिकों से अपील की कि वे इस अभियान में सहभागी बनें, मिलावट से सतर्क रहें और स्वच्छ, सुरक्षित भोजन अपनाकर एक स्वस्थ छत्तीसगढ़ और विकसित भारत के निर्माण में सहयोग दें। स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने इस अवसर पर कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी के नेतृत्व में हमारा लक्ष्य है कि प्रदेश के हर नागरिक तक गुणवत्तापूर्ण, शुद्ध और सुरक्षित खाद्य सामग्री पहुँचे। स्वास्थ्य विभाग का काम सिर्फ इलाज करना नहीं है, बल्कि बीमारी से पहले उसकी रोकथाम करना भी है यही प्रिवेंशन ऑफ डिजीज है। उन्होंने कहा कि हमारे खानपान से संबंधित बीमारियाँ जैसे डायबिटीज़, थायरॉयड, फैटी लिवर, हाई कोलेस्ट्रॉल और हृदय रोग आज बहुत आम हो चुके हैं। इनसे बचने के लिए जन-जागरूकता, स्वच्छता और मिलावट रहित भोजन बेहद ज़रूरी है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा शुरू किए गए 'मिलावट के खिलाफ अभियान' को आगे बढ़ाते हुए छत्तीसगढ़ में 'बने खाबो, बने रहिबो' अभियान की नींव रखी गयी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खाद्य परीक्षण की व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाने हेतु एक अत्याधुनिक राज्य स्तरीय खाद्य प्रयोगशाला की स्थापना की जा रही है, जिससे छत्तीसगढ़ को खाद्य परीक्षण के लिए अन्य राज्यों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। इस मौके पर सीजीएमएससी के अध्यक्ष श्री अमित म्हस्के ने भी उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि यह एक बहुत ही महत्वकांक्षी अभियान है जिसकी शुरूआत आज से की जा रही है। चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला के माध्यम से प्रदेश की जनता में खाद्य सामग्रियों को लेकर जागरूकता बढ़ेगी तथा मिलावट करने वालों की असलियत भी सामने आएगी। उन्होंने बताया कि इस चलित प्रयोगशाला में एक लैब टेक्नीशियन तथा एक लैब असिस्टेंट की उपस्थिति रहेगी जिससे वो मौके पर ही खाद्य सामग्रियों का नमूना एकत्र कर उसकी जांच कर सकेंगे और आवश्यकता पड़ने पर खाद्य एवं औषधि विभाग की टीम ऐसे मिलावट करने वालों पर कार्रवाई भी करेगी। स्वास्थ्य विभाग के सचिव अमित कटारिया ने इस मौके पर कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य यह है कि लोगों को पता चले की हमें कैसा खाना खाना है और कैसे अपने शरीर को स्वस्थ रहना है। हम अपने भोजन को अपने जीवन में कैसे सही तरीके से उपयोग में लाएं ताकि हमारा शरीर स्वस्थ रहे और हमें किसी भी प्रकार की बीमारी ना हो, इन सबकेलिए हमें प्रयास करते रहना है। उन्होंने कहा कि हमें आम जनता को जागरूक करना है ताकि खाने में मिलावट को कैसे पहचाने और कैसे इस अभियान में हिस्सा लेकर शासन की मदद करें ताकि मिलावट करने वाले लोगों पर कार्रवाई भी की जा सके और लोग अपने स्वास्थ्य को लेकर जागरूक भी रहें। इस अभियान के तहत स्ट्रीट फूड विक्रेताओं, रेस्टोरेंट्स, होटल्स एवं खाद्य सेवा प्रदायकों द्वारा उपयोग किए जा रहे खाद्य पदार्थों की जांच की जा रही है। उन्हें स्रस्र्द्ध के दिशा-निर्देशों के अनुसार स्वच्छता, व्यक्तिगत हाइजीन, खाद्य भंडारण एवं प्रसंस्करण की जानकारी दी जा रही है। छत्तीसगढ़ आज देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है जहाँ मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब के संचालन और फूड क्वालिटी टेस्टिंग में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ दर्ज की गई हैं।

वाटरशेड आर्गनाइजेशन ट्रस्ट द्वारा धान की उन्नत खेती हेतु कृषक प्रशिक्षण संपन्न

कोरिया पांडवपारा। 4 अगस्त को बैकुंठपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम झरनापारा में वाटरशेड आर्गनाइजेशन ट्रस्ट द्वारा एकदिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को धान की खेती में नवीन तकनीकों की जानकारी देना एवं श्री विधि (एस.आर.आई.) से रोपाई के लाभों से अवगत कराना था। इस प्रशिक्षण में कुल 41 किसान शामिल हुए। कार्यक्रम में दीपक सकत ने मुख्य प्रशिक्षक की भूमिका निभाई। उनके साथ डब्ल्यूओटीआर संस्था से अंशुल सिंह, सुश्री कामिनी साहू एवं सूरज यादव भी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान किसानों को बताया गया कि श्री विधि अपनाने से पारंपरिक खेती की तुलना में मजदूरी लागत में कमी आती है और उत्पादन में वृद्धि होती है। किसानों को खेत में पौधों की दूरी, समय पर निराई-गुड़ाई, कम पानी की जरूरत और जैविक विधियों के उपयोग के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के अंत में ग्राम के कुछ किसानों ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि पहले वे परंपरागत तरीके से खेती करते थे जिससे लागत अधिक और उत्पादन सीमित होता था। अब श्री विधि अपनाने से कम लागत में अधिक उत्पादन संभव हो रहा है। ग्राम के किसान नेहरूराम ने कहा, श्री विधि से पौधे मजबूत होते हैं और उत्पादन में स्पष्ट फर्क दिखाई देता है। वहीं महिला किसान श्रीमती सोनवरषो ने कहा, पहले ज्यादा मजदूर लगते थे एवं बीज भी ज्यादा लगता था , अब बीज कम लगता है, खुद से भी रोपाई कर लेते हैं। संस्था ने हमें आत्मनिर्भर बनने की राह दिखाई है। वाटरशेड आर्गनाइजेशन ट्रस्ट द्वारा संचालित वसुंधरा ग्राम विकास परियोजना के अंतर्गत अब तक 250 से अधिक किसान श्री विधि से खेती कर चुके हैं। संस्था द्वारा पहले एक मॉडल प्लॉट के रूप में प्रदर्शन किया जाता है, जिसे देखकर अन्य किसान भी इस विधि को अपनाने के लिए प्रेरित होते हैं। इस प्रकार के प्रशिक्षण न केवल किसानों की उत्पादन क्षमता को बढ़ाते हैं, बल्कि उन्हें वैज्ञानिक सोच, नवाचार और आत्मनिर्भरता की ओर भी अग्रसर करते हैं।

दामाद को उम्रकैद की सजा

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जिसमें शराब के लिए पैसे न मिलने पर एक युवक ने अपने ही ससुर को जिंदा जला डाला। इस गंभीर अपराध में अदालत ने आरोपी को दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। यह घटना 4 दिसंबर 2024 की है, जब लुंड्रा थाना क्षेत्र के ग्राम दोरना लोहारपारा में रहने वाले दशरू उर्फ केरे कोरवा की उनके दामाद धनसाय कोरवा ने आग लगाकर हत्या कर दी थी। मामले की सुनवाई करते हुए चतुर्थ अपर सत्र न्यायाधीश मनीष कुमार दुबे ने गवाहों और साक्ष्यों के आधार पर फैसला सुनाया। दोषी धनसाय ने अदालत में खुद को निर्दोष बताते हुए दावा किया कि वह घटना के वक्त ससुर के साथ मौजूद नहीं था और उसे झूठा फंसाया गया है। हालांकि, बचाव पक्ष की ओर से इस दावे के समर्थन में कोई गवाह या ठोस साक्ष्य पेश नहीं किया गया। मामले में सबसे अहम साक्ष्य मृतक दशरू कोरवा का मृत्युपूर्व बयान रहा, जिसमें उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि उनके दामाद ने उनके कपड़ों में आग लगाकर जान लेने की कोशिश की थी। इस बयान को अदालत ने भरोसेमंद मानते हुए आरोपी को भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) बीएनएस के तहत दोषी ठहराया। न्यायालय ने आरोपी धनसाय को उम्रकैद की सजा के साथ 500 रुपये जुर्माना भी लगाया है। यह फैसला एक बार फिर यह दर्शाता है कि न्याय व्यवस्था गंभीर अपराधों के प्रति कठोर रुख अपनाती है।

जिला मीडिया सह प्रभारी बने अजय यादव

रामानुजगंज। भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष श्री किरण सिंह देव जी, प्रदेश संगठन महामंत्री श्री पवन साय जी व बलरामपुर-रामानुजगंज के जिलाध्यक्ष श्री ओमप्रकाश जायसवाल जी के अनुमोदन उपरांत जिला पदाधिकारीयों की घोषणा की गई, जिसमें अजय यादव को भाजपा जिला मीडिया सह प्रभारी की अहम जिम्मेदारी दी गई है। भाजपा जिला मीडिया सह प्रभारी बनने पश्चात् अजय यादव ने भाजपा जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश नेतृत्व को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी संगठन द्वारा मुझे जो अहम जिम्मेदारी दी गई है उसका निष्ठा एवं ईमानदारी से पालन करते हुए संगठन को और ज्यादा मजबूती प्रदान करने का प्रयास करूंगा। अजय यादव ने पूर्व में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अनुषांगिक छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद 2014 में इकाई रामानुजगंज़ के नगरमंत्री, नगर अध्यक्ष, प्रदेश कार्यकारणी सदस्य,ज़िला संयोजक, एवं जशपुर जिले में संगठन मंत्री के रूप कार्य कर चुके हैं। अजय यादव ने अभाविप से राजनीतिक जीवन की शुरुआत , कई छात्र आंदोलन, प्रदर्शन में नेतृत्व करते हुए भाजपा के सक्रिय सदस्य बने तत्पश्चात भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला मंत्री,जिला प्रचार-प्रसार मंत्री, विधानसभा मीडिया प्रभारी जैसे विभिन्न दायित्वों का निर्वहन कर चुके हैं। अब उन्हें कार्य क्षमता को देखते हुए भाजपा संगठन के द्वारा ज़िला मीडिया सह प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है, यह दायित्व मिलने पर जिले के कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों में काफ़ी उत्साह एवं हर्ष व्याप्त है।

एक लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंचे तातापानी जलाभिषेक करने

बलरामपुर। सावन सोमवार के अंतिम सोमवार को ग्राम तातापानी के गर्म जल स्रोत स्थान परिसर में स्थित तपेश्वर महादेव धाम में जल चढ़ाने के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतार लग गई थी आज तातापानी में एक लाख से अधिक श्रद्धालु पूजा अर्चना करने पहुंचे। सुबह से लेकर शाम तक यहां श्रद्धालुओं की भीड़ बनी रही। गौरतलब है कि ग्राम तातापानी के गर्म जल स्रोत स्थान में मकर संक्रांति पर्व के अवसर पर तातापानी महोत्सव का आयोजन किया जाता है। इस दौरान आयोजित मेले में लोगों का जन सैलाब उमड़ पड़ता है। तातापानी मकर संक्रांति मेले के समान सावन सोमवार के अंतिम सोमवार को भारी भीड़ श्रद्धालुओं की देखी गई एक अनुमान के मुताबिक आज 1 लाख से अधिक श्रद्धालुओं तातापानी पूजा अर्चना करने पहुंचे। श्रद्धालुओं का उत्साह देखते बना तपेश्वर महादेव धाम में श्रद्धालु 10 से 30 किलोमीटर का सफर तय करके यहां जल चढ़ाने नंगे पीर8 पहुंचे। रामानुजगंज के कन्हर नदी एवं बलरामपुर के चनन नदी से श्रद्धालुओं ने जल उठाकर यहां जल चढ़ाने पहुंचे थे। तात्कालिक कलेक्टर संजीव झा ने कावड़ यात्रा की की थी शुरुआत।

दो व्यक्ति पकड़ाये

रायपुर। गोबरा नवापारा पुलिस ने अवैध रूप से गांजा बेच रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 1.896 किलोग्राम गांजा जब्त किया है। सूचना मिली कि 2 व्यक्ति सोमवारी बाजार पुलिया नवापारा के पास एक सफेद रंग के बोरी के अन्दर अवैध रूप से मादक पदार्थ गांजा रखकर बिक्री कर रहे है।

सेजेस अंग्रेजी माध्यम में शिक्षक नहीं, पढ़ाई पिछड़ने से छात्र परेशान

व्यवस्था सही नहीं होने से बढ़ रही चिंता, इस दिशा में आवश्यक कार्यवाही होने की प्रतिक्षा

कोरिया चरचा कालरी। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा गरीब, पिछड़े और ग्रामीण अंचलों के बच्चों को उत्कृष्ट अंग्रेज़ी माध्यम की शिक्षा दिलाने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई स्वामी आत्मानंद योजना आज चर्चा कालरी के विद्यालय में अपनी सार्थकता खोती नज़र आ रही है। शिक्षा जैसी मूलभूत आवश्यकता के साथ हो रहा यह व्यवहार न केवल प्रशासन की उदासीनता को दर्शाता है, बल्कि आशाओं के ताने-बाने में बुने बच्चों के भविष्य को तार-तार कर रहा है।

15 जून2025 को शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ हुआ लेकिन आज डेढ़ महीने से अधिक समय गुजर जाने के बावजूद बच्चों को अब तक आवश्यक किताबें नहीं मिल सकीं। लगभग 1250 किताबों की कमी विद्यालय प्रबंधन स्वयं स्वीकार कर रहा है। इससे भी दुर्भाग्यजनक बात यह है कि अंग्रेज़ी माध्यम के विद्यार्थियों के लिए हिंदी माध्यम की पुस्तकें भेज दी गईं। यह प्रश्न अनिवार्य रूप से उठता है—कि यह लापरवाही किसकी है? और अब तक जिम्मेदार कौन ठहराया गया? इतनी गंभीर गलती होने के बावजूद आंखें बंद रखना बेहद ही दुर्भाग्यपूर्ण है।

स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में गणित और अर्थशास्त्र जैसे आधारभूत विषयों के शिक्षक विद्यालय में ही नहीं हैं। बच्चों की पढ़ाई बिना दिशा के चल रही है। इस गंभीर समस्या के समाधान के लिएन तो स्थानीय जनप्रतिनिधि जागरूक हैं, और न ही शिक्षा विभाग संवेदनशील। हर बार एक ही उत्तर मिलता है—व्यवस्था की जा रही है, लेकिन यह व्यवस्था कब तक आएगी कोई नहीं बता पा रहा। स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय चरचा की एक और गंभीर समस्या यह है कि इस विद्यालय में प्रारंभ होने के दिवस से आज तक स्थायी प्राचार्य की नियुक्ति नहीं हुई*, शिक्षा विभाग द्वारा हिंदी माध्यम विद्यालय के प्राचार्य से अंग्रेज़ी और हिंदी दोनों माध्यम के विद्यालय संचालित कराए जा रहे हैं। जबकि बैकुंठपुर स्थित अंग्रेजी माध्यम आत्मानंद विद्यालय में स्थाई प्राचार्य पदस्थ हैं और वहां की व्यवस्था अनुकरणीय है। जिला मुख्यालय के अंग्रेजी माध्यम स्कूल को अंग्रेजी माध्यम का प्राचार्य उपलब्ध कराना और चरचा कालरी के अंग्रेजी माध्यम स्कूल में हिंदी माध्यम के प्राचार्य की नियुक्ति शिक्षा व्यवस्था में भी भेदभाव की ओर इंगित करती है। शिक्षकों किताबें की कमी से परेशान अभिभावकों की समस्याओं में कमी नहीं है अभिभावकों का यह भी कहना है कि बच्चों को न तो समय पर होमवर्क दिया जाता है और न ही उसे मोबाइल के माध्यम से साझा किया जाता है, जिससे वे पढ़ाई में सहयोग नहीं कर पा रहे। कक्षाओं में ब्लैकबोर्ड पर लिखा गया पाठ छोटे बच्चों के लिए कठिन होता है , और शिक्षक उन्हें यथोचित तरीके से समझाने में विफल रहते हैं।

क्या इन कमियों को दूर करने की कोई मानवीय जिम्मेदारी तय नहीं होनी चाहिए? जिला शिक्षा विभाग द्वारा सौ प्रतिशत परीक्षा परिणाम प्राप्त करने के लिए चलाई जा रही 'मिशन 100' योजना भी इस अव्यवस्था में मूकदर्शक बन गई है। शिक्षकों की कमी, पुस्तकों का अभाव, और प्रशासनिक लापरवाही के चलते क्या यह मिशन एक और कागजी घोड़ा साबित नहीं हो रहा? यह केवल एक विद्यालय की कहानी नहीं, यह भविष्य की नींव की दरार है,विद्यालयों की दीवारों में अगर न्याय, संवेदना और उत्तरदायित्व नहीं हों, तो वहां पढ़ने वाले बच्चों के सपनों की नींव कमजोर पड़ जाती है। चर्चा कालरी के इस विद्यालय में आज न तो व्यवस्था है, न नेतृत्व, न ही बच्चों के प्रति संवेदनशीलता। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है क्या बच्चों की पढ़ाई से बड़ा कोई और मुद्दा हो सकता है,क्या स्वामी आत्मानंद योजना अब सिर्फ एक नाम भर रह गई है,यदि इन प्रश्नों का उत्तर नहीं मिला, तो एक पीढ़ी का भविष्य केवल नीतियों और आश्वासनों में खो जाएगा।

मेधावी प्रतिभाओं को सम्मानित करेगा ब्राह्मण समाज

कोरबा। वर्ष 2024-25 की बोर्ड परीक्षा के साथ-साथ कॉलेज, पीएससी, व्यापमं, यूपीएससी और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में मेरिट अथवा सफल होने वाले मेधावी प्रतिभाओं का सम्मान ब्राह्मण समाज करेगा। इसके लिए उसने जानकारी एकत्र करना जारी रखा है। सर्व ब्राह्मण समाज के पदाधिकारी डॉ. संजय तिवार ने बताया कि विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए इस तरह की कोशिश समाज की ओर से की जा रही है। जल्द ही आयोजन की रूपरेखा फाइनल करने के साथ तिथि घोषित की जाएगी। बताया गया कि प्रतिस्पर्धी वातावरण के हिसाब से विद्यार्थियों की प्रतिभा को तराशने के लिए योजना बनाई जा रही है।

हर घर तिरंगा को लेकर कार्यशाला कल

कोरबा। भाजपा के द्वारा प्रत्येक घरों में तिरंगा लगाया जाएगा। इसके लिए कार्यकर्ताओं को कल जिला भाजपा कार्यालय में आमंत्रित किया गया है। जिसमें भाजपा के जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी, अजा मोर्चा जिलाध्यक्ष सरजू अजय, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष चुलेश्वर राठौर, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष वैशाला रत्नपारखी, मनोरमा शर्मा सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे। इस कार्यशाला के बाद मंडलों में 7 व 8 अगस्त को कार्यशाला होगा जिसमें मंडल अध्यक्ष कार्यकर्ताओं को जानकारी देंगे। भाजपा कार्यकर्ता 10 अगस्त से घरों में तिरंगा लगाने का काम करेंगे। कल की बैठक में मंडल अध्यक्ष राजेश राठौर, अभिषेक गर्ग, मनोज लहरे, डिलेंद्र यादव, दिनेश राठौर, ओमप्रकाश साहू, योगेश मिश्रा, मनीष मिश्रा, रामकुमार गभेल, अनिता राजपूत सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे।

जवाली व मदनपुर में कांग्रेस की बैठक

कोरबा। जिला ग्रामीण कांग्रेस के द्वारा प्रत्येक ब्लॉकों में कार्यकर्ताओं की बैठक ली जा रही है। आज कोरबा ग्रामीण ब्लॉक के मदनपुर में कांग्रेसियों की बैठक होगी जिसमें मंडल गठन करने पर विचार विमर्श होगा। इसी तरह ग्राम जवाली में कटघोरा ग्रामीण ब्लॉक अध्यक्ष गोरेलाल यादव बैठक लेंगे। इस बैठक में कटघोरा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक पुरुषोत्तम कंवर, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मनोज चौहान सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे। मंडल गठन करने को लेकर लगभग सभी ब्लॉकों में बैठक हो चुकी है और रिपोर्ट बनाकर हाईकमान को भेजा जा रहा है। मंडल के साथ-साथ सेक्टर समिति का भी गठन किया जाएगा।

नौकरी क्यों नहीं, भूविस्थापितों के तीखे तेवर

मुआवजा और पुनर्वास को लेकर महाप्रबंधक कार्यालय के सामने हंगामा

कोरबा। कोरबा जिले में साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के साथ भुविस्थापितों की तनातनी कम होने का नाम नहीं ले रही है। दीपिका क्षेत्र में मुख्य महाप्रबंधक कार्यालय के गेट पर उन्होंने जमकर प्रदर्शन किया। वे मुआवजा, रोजगार और पुनर्वास के मुद्दे पर यहां पर इकट्ठे हुए। स्थिति को देखते हुए स्थानीय सुरक्षा बल ने सतर्कता दिखाई।

भुविस्थापितों ने अपने संगठन के बैनर पर यह प्रदर्शन किया। यह लोग विभिन्न क्षेत्रों के बताए जा रहे हैं। उनकी जमीन साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड दीपिका क्षेत्र के द्वारा अपनी। कोल माइंस के विस्तार के लिए अधिग्रहित की गई। कहां जा रहा है कि काफी समय इस प्रक्रिया को हो चुका है लेकिन अब तक अधिकांश मामलों में रोजगार नियोजन नहीं हो सका है। पुनर्वास का मसला अटका हुआ है और मुआवजा का भुगतान भी लंबित है।

भुविस्थापितों का आरोप है कि उनके मामले में प्रबंधन की ओर से केवल आश्वासन दिया जा रहा है लेकिन काम करने में कोई दिलचस्पी नहीं दी जा रही है। इस वजह से हमारी समस्याएं बढ़ती जा रही है और इसके चलते सामाजिक आर्थिक चुनौतियां पेश आ रही है। मंगलवार को सीजीएम कार्यालय गेट पर हुए प्रदर्शन में पुरुषों के अलावा महिलाएं भी शामिल हुई। इन सभी ने अपने मुद्दे को लेकर कोयला कंपनी के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने प्रकरणों का निपटारा करने में उपेक्षा बरतने के आरोप लगाए। प्रदर्शन की वजह से कार्यालय पहुंचने वाले कर्मचारियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

कुछ मामलों को इसलिए किया खारिज

सूत्रों का कहना है कि साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड दीपिका क्षेत्र में भूअर्जन के बाद रोजगार देने की प्रक्रिया में कई तरह की शिकायत प्राप्त हुई। इस दौरान कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। गंभीर खामियों के उजागर होने पर प्रशासन ने इस पर नजरें तिरछी की। पता चला कि शताधिक मामलों को रोजगार की दृष्टिकोण से खारिज कर दिया गया। इससे पहले कुसमुंडा क्षेत्र में रोजगार के मसले को लेकर महिलाओं ने अर्धनग्न प्रदर्शन किया था, जिस पर काफी हंगामा हुआ। बाद में प्रबंधन की ओर से कुसमुंडा पुलिस थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। इस प्रकार की हरकतों में अधिकारियों को चिंता में डाल दिया है। इसलिए एसईसीएल के सभी क्षेत्रों में इस प्रकार के प्रदर्शन रोकने के लिए कोशिश की जा रही है।

एसकेएमएस कार्यकारिणी का होगा गठन

कोरबा। एसकेएमएस कोरबा एरिया के मानिकपुर व रजगामार इकाई में कार्यकारिणी गठन की तैयारी की जा रही है। इसके लिए एरिया अध्यक्ष मनीष सिंह, कार्यवाहक अध्यक्ष सुभाष सिंह व महामंत्री धर्मा राव के बीच चर्चा हुई है। सदस्यता अभियान के बाद रजगामार में परिणाम आए हैं। इस परिणाम से हाइकमान संतुष्ट नजर नहीं आ रहा है। इसी तरह मानिकपुर में भी कार्यकर्ताओं के कार्यों से एरिया कमेटी संतुष्ट है लेकिन यहां पर भी कार्यकारिणी गठन को लेकर चर्चा हो रही है। कोरबा एरिया के उन सभी इकाईयों पर फोकस किया जा रहा है जहां पर परिणाम अच्छे नहीं आए हैं। केंद्रीय कर्मशला गेवरा में भी कल नई कार्यकारिणी बनाई गई जिसमें अमृत साहू को अध्यक्ष व एल.पी.चंद्रा का सचिव बनाया गया। यहां पर समिति गठित होने के बाद कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त किया है। गेवरा एरिया के अध्यक्ष एल.पी.अघरिया व महामंत्री दीपक उपाध्याय का मानना है कि आने वाले वर्षों में यहां पर अच्छे परिणाम आएंगे।

कई स्तर पर फरार कैदियों की टोह लेने में जुटी पुलिस

कोरबा। 10 हजार के पुरस्कार की घोषणा के बावजूद अब तक यहां से जिला जेल से फरार हुए चार कैदियों के बारे में किसी प्रकार की सूचना नहीं मिल सकी है। अधिकारियों और जवानों सहित कुल 50 लोग जांच टीम का हिस्सा बनाए गए हैं। साइबर सेल की मदद भी टेक्निकल इंफार्मेशन का उपयोग करने के लिए लिया जा रहा है। जेल डीजी के निरीक्षण के बाद पूरे मामले में समीक्षा की गई और सुरक्षा से जुड़े पहलुओं को परखा गया। कहा गया कि निकट भविष्य में इन्हें रिवाइस भी किया जाना है। अब तक की जानकारी में जांच टीमों के पास कोई खास अपडेट नहीं है। याद रहे चार दिन पहले शाम 4 बजे के आसपास राजू कंवर, चंद्रशेखर राठिया, सरना सिंकू और उनका एक साथी जेल से फरार हो गए थे। ये सभी दुष्कर्म और पास्को एक्ट में नामजद थे।

जनजाति गौरव दिवस किसके लिए, पूछा- समाज ने

कोरबा। सर्व आदिवासी समाज का सरकार से बड़ा सवाल यह है कि वह कुछ वर्षों से राष्ट्रीय स्तर पर जनजाति गौरव दिवस मना रही है, लेकिन इसके मायने किसके लिए है। बिरसा मुंडा ने क्रांति की अलख जगाई थी और जल, जंगल, जमीन संरक्षण के लिए विशेष काम किया। आज इसी मुद्दे को लेकर संघर्ष चल रहा है, ऐसा क्यों?

कोरबा में विश्व आदिवासी दिवस पर 5 दिन के कार्यक्रम की रूपरेखा समाज ने बनाई है। इस परिप्रेक्ष्य में मंगलवार को कांफ्रेंस की गई। संरक्षक मोहन सिंह प्रधान ने मीडिया से चर्चा में इस मुद्दे को उठाया। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा का संघर्ष जनजाति समाज की अस्मिता को लेकर था। जंगलों का संरक्षण आदिवासियों से बेहतर कोई नहीं कर सकता। आज औद्योगिकीकरण के नाम पर जो कुछ चल रहा है वह आदिवासियों को प्रकृति से अलग करने की कोशिश है। कहा गया कि आदिवासियों को पदोन्नति में आरक्षण देने को लेकर हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के द्वारा निर्देश दिए गए हैं लेकिन इस तरफ अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने बताया कि कोरबा में आदिवासी शक्तिपीठ स्थापित की गई। 2011 से लगातार काम किए जा रहे हैं। बिंझवार, प्रधान, गोंड़ कभी एक साथ नहीं बैठे थे लेकिन हमने इसे पूरा किया। वैचारिक समानता की स्थिति को लेकर भी हम लोग काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोरबा में विश्व आदिवासी दिवस पर विभिन्न आयोजन किए जाएंगे। इसके माध्यम से बड़ी लकीर खींचने का काम होगा। कांफ्रेंस में अध्यक्ष डीएस पैकरा, निर्मल सिंह, रमेश सिरका के अलावा अन्य प्रतिनिधि उपस्थित थे।

जिले में हाथियों का उत्पात बढ़ा, रौंदी बड़ी मात्रा में फसल, मकान को भी ढहाया

कोरबा। जिले के कोरबा एवं कटघोरा वनमंडल में हाथियों का उत्पात बढ़ता जा रहा है। यहां के जंगलों में बड़ी संख्या में घूम रहे हाथियों ने बीती रात जहां कोरबा वनमंडल के कोल्गा एवं कमरन गांव में ग्रामीणों के खेतों में उत्पात मचाते हुए बड़ी मात्रा में धान की फसल को रौंद दिया। वहीं कटघोरा वनमंडल के पसान रेंज के कोटमर्रा नामक गांव में एक ग्रामीण महिला के मकान को ढहा दिया। दल से अलग घूम रहे एक दंतैल हाथी ने भी कुदमुरा रेंज के तौलीपाली एवं कुदमुरा में उत्पात मचाते हुए तीन ग्रामीणों के मकान को ढहा दिया। हाथियों के बढ़ते उत्पात से ग्रामीणों में आक्रोश है।

मिली जानकारी के अनुसार कोरबा वनमंडल के पसरखेत रेंज के कोल्गा क्षेत्र में 25 हाथी घूम रहे हैं जबकि कोरबा रेंज के कमरन गांव में 25 हाथियों की मौजूदगी बनी हुई है। कोल्गा में घूम रहे हाथियों ने बीती रात ग्रामीणों के खेतों में पहुंचकर भारी उत्पात मचाया और आधा दर्जन लोगों की फसल को रौंदकर बर्बाद कर दिया। जिससे संबंधित ग्रामीणों को काफी नुकसान उठाना पड़ा है। कोरबा रेंज के कमरन गांव में मौजूद हाथियों ने भी उत्पात मचाते हुए 15 से अधिक ग्रामीणों के धान की फसल को तहस-नहस कर दिया है, जिसका आंकलन वन विभाग द्वारा किया जा रहा है। इसी प्रकार कुदमुरा रेंज में एक लोनर हाथी घूम रहा है। इस हाथी ने जमकर उत्पात मचाया। इस दौरान हाथी ने तौलीपाली में बालकराम राठिया के एक मकान को निशाना बनाते हुए क्षतिग्रस्त कर दिया। वहीं कुदमुरा में पुनीराम धनवार व मनमोहन राठिया के घरों में तोड़फोड़ कर नुकसान पहुंचाया है।

उधर कटघोरा वनमंडल के पसान, एतमानगर व केंदई रेंज में भी बड़ी संख्या में हाथी काफी दिनों से सक्रिय हैं। पसान रेंज के कोटमर्रा गांव में अचानक पहुंचे दो दंतैल हाथी ने उत्पात मचाते हुए मानकुंवर नामक ग्रामीण महिला के कच्चे मकान को ढहा दिया। वहीं इन ग्रामीणों द्वारा खेतों में लगाए गए थरहे को भी तहस-नहस कर दिया है। हाथियों के द्वारा लगातार उत्पात मचाए जाने से ग्रामीण दहशत में हैं वहीं उनमें गहरा आक्रोश भी देखा जा रहा है, जो कभी भी आंदोलन का रूप ले सकता है। ग्रामीणों द्वारा समय-समय पर सुरक्षा की गुहार जिला प्रशासन व वन विभाग से लगाई जाती रही है लेकिन न तो जिला प्रशासन द्वारा ही जिले में व्याप्त हाथी समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस कदम उठा रहा है और न ही वन विभाग। जब-जब ग्रामीणों द्वारा आंदोलन किया जाता है तो उन्हें लेमरू अभ्यारण्य का सब्जबाग दिखाया जाता है, जिसे धरातल में लाने के लिए काफी समय लगेगा।

सेवा बस्तियों में रक्षासूत्र बंधेंगे स्वयंसेवक

कोरबा। समाज के साथ मिलकर की जाने वाली गतिविधियों के अंतर्गत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में इस वर्ष भी रक्षाबंधन पर कोरबा नगर और जिले में अनेक सेवा बस्तियो में पर्व मनाना सुनिश्चित किया है। 9 अगस्त को ऐसे अनेक स्थान पर स्वयंसेवक पहुंचेंगे और वहां पर निवासरत बन्धुओं को रक्षा सूत्र बांधेंगे।अनेक वर्षों से इस प्रकार की परंपरा का निर्माण किया जाता रहा है और इस वर्ष भी इसे दोहराया जाएगा। इसे क्रियान्वित करने के लिए समूह को दायित्व दिए गए हैं जो निश्चित समय पर अपने क्षेत्र में उपस्थिति सुनिश्चित करने के साथ इस योजना को गति देंगे। परस्पर मेलजोल के साथ सुरक्षा प्रवचन देना इस कार्यक्रम का प्रमुख मिशन है। मैं नहीं तुम की भावना से ऐसे अनेक कार्यक्रम किया जा रहे हैं और इनके जरिए लोगों को वैचारिक आधार पर एकीकृत किया जा रहा है।

कार ने बोलेरो को ठोका, फिर लगी आग

शराब के नशे में सवार थे तीन युवक

कोरबा। नगर के निहारिका घंटाघर की ओर से तेज गति में आ रही कार (वाहन क्रमांक सीजी-04 क्यूई- 4323) ने पिछली रात सुभाष ब्लॉक स्थित पोस्ट ऑफिस के पास खड़ी एक बोलेरो पिकअप वाहन को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप के आगे दीवार क्षतिग्रस्त हो गई।

बताया गया कि हादसे के बाद घटनास्थल पर भारी भीड़ इकट्ठा हो गई। स्थानीय लोगों में अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने दावा किया कि कार में कुल 3 युवक सवार थे, जिनमें से चालक शराब के नशे में धुत था। यही लापरवाही इस घटना का कारण बनी। स्थानीय लोगों ने तुरंत इस घटना की सूचना मानिकपुर पुलिस को दी पुलिस मौके पर पहुंची गनीमत रही कि हादसे में कोई गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ, लेकिन वाहन और निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचा है। मामले की जांच जारी है, और वाहन चालक के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। इस घटना ने बता दिया है कि ड्रंकन ड्राइव के मामलों में कोई कमी नहीं आई है।

नेताजी चौक के पास फटी पाइप लाइन, परेशान हुए लोग

कोरबा। नेताजी सुभाषचंद्र बोस चौराहे के पास आज सुबह जल प्रदाय लाइन का पाइप दबाव से फट गया। मौके पर फव्वौरे की स्थिति के साथ आसपास में पानी का फैलाव जारी रहा। इसके चलते यहां से होने वाली आवाजाही बाधित हुई। लोगों ने इस वजह से परेशानी बताई तो कुछ ने इन्ज्वाय किया। नगर निगम के जल कार्य प्रभारी ईई राकेश मसीह ने बताया कि इस स्थान पर संभवत: पहला कनेक्शन है इसलिए पानी का प्रेशर ज्यादा है। समस्या को ठीक किया जार है।

बिहान समूह को मजबूत करने का दिया मौका

कोरबा। जिला प्रशासन ने आजीविका मिशन के अंतर्गत काम कर रहे बिहान समूह और दूसरी इकाईयों को रक्षाबंधन के अवसर पर आर्थिक मजबूती देने की कोशिश की है। आकांक्षा हाट 2025 का आयोजन इस कड़ी में सियान सदन ओपन थिएटर में किया गया है। यहां स्थानीय उत्पादों के प्रमोशन और विक्रय की व्यवस्था की गई है। संचालकों ने बताया कि हमें अच्छा रिस्पांस मिल रहा है।

ससुराल में मिली यातना, जहर खाकर वंदना ने दी जान

पति और ससुर पर लगे आरोप

कोरबा। दीपिका पुलिस थाना के झाबर गांव में वंदना सिंड्रम ने चूहा मार दवा का सेवन कर जान दे दी। वह अपने पति और ससुर की प्रताड़ना से परेशान थी और प्रताड़ना का यह दौर काफी वर्ष से चल रहा था। उसकी हालत बिगड़ने पर उसे अस्पताल ले जाने की बजाय एक लोकल डॉक्टर की मदद ले गई । दूसरी और मृत्का के पति ने प्रताड़ना के आरोप से लेकर पत्नी द्वारा जहर खाने के बारे में कोई जानकारी नहीं होने की बात कही।

मृतका वंदना के भाई ने बताया कि काफी समय से पारिवारिक विवाद के कारण ससुराल में परेशानी थी और कुछ वर्ष पहले उसे छोड़ दिया क्या। गोंडवाना महासभा के पास भी यह मामला पहुंचा। स्थिति ठीक नहीं और उसके बाद फिर दिक्कत शुरू हो गई। हाल में ही वंदना की तबीयत खराब होने की सूचना गांव में रहने वाली दूसरी बहन ने हमें दी।

खबर के अनुसार ससुर और पति की यातना से त्रस्त होकर आखिरकार वंदना ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया और 4 दिन तक परेशानी झेलने के बाद उसकी मौत हो गई। कोरबा के मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल अस्पताल में उसके पति लक्ष्मी नारायण सिंड्रम से जब इस बारे में बातचीत की गई तो उसने पहले तो प्रताड़ना की बात से इनकार किया। फिर कहा की किसी प्रकार का विवाद नहीं हुआ था। उसने बताया कि अस्पताल में ही चूहा मार दवा सामने आई। वंदना की मौत होने की सूचना अस्पताल से मिलने पर पुलिस ने मर्ग कायम किया है। वंदना के परिजनों के बयान कार्रवाई करने की बात कर रही है

यूथ हॉस्टल में प्रदेश से नए राष्ट्रीय सदस्य मनोनीत

कोरबा। साहसिक और रोमांचक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ इंडिया राष्ट्रीय स्तर पर काम कर रहा है। उसका विस्तार विदेशों तक हुआ है। छत्तीसगढ़ राज्य इकाई की बैठक हाल में ही संपन्न हुई। जिसमें राष्ट्रीय परिषद सदस्यों को नामित किया गया।

यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ इंडिया राज्य परिषद और कार्यकारिणी की बैठक रविवार को संभागीय मुख्यालय के कंट्री क्लब में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता राज्य अध्यक्ष सुनील विश्नोई ने की। पात्रता के अंतर्गत 28 सदस्यों ने उपस्थिति दर्ज कराई। सभी इकाइयों के कोषाध्यक्ष इसमें शामिल हुए। एजेंडा के अंतर्गत लेखा, सदस्यता और कार्यक्रमों से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा की गई। चूंकि राज्य की सदस्यता 2500 को पार कर गई है, इसलिए नए राष्ट्रीय परिषद सदस्यों का भी मनोनयन किया गया। सदस्यता और कार्यक्रमों को गति देने के लिए कई अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। दिसंबर 2024 में दिल्ली में आयोजित गेड़ी डांस, प्लेटिनम जुबली कार्यक्रम में भाग लेने वाले छात्रों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। स्टेट चेयरमेन संदीप सेठ सहित पदाधिकारियों का मार्गदर्शन सदस्यों को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का समन्वय भास्कर, सीडीआर संदीप मुरारका और शैलेश शुक्ला ने किया।

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com